MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-09 ❖ मुंबई ❖ रविवार 19 से 25 फरवरी 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

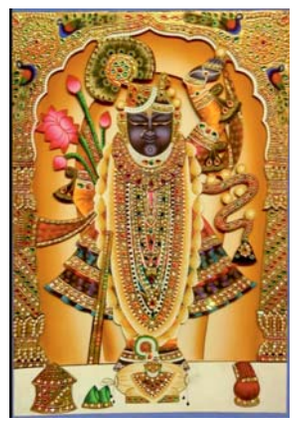

पेज 3
मुंबई में 346 जगहों पर मनेगी शिवजयंती उत्सव

पेज 5
बीबीसी पर कार्रवाई भाजपा सरकार का राजनीतिक प्रतिशोध : ममता

पेज 7
प्रभास की मेहमाननवाजी की मुरीद हुई तमन्ना भाटिया

पेज 8
श्री राधे माँ चैरिटेबल ट्रस्ट' द्वारा 'मुफ्त हेल्थ चेकअप कैंप'

एक नजर

अनुरक्षण कार्य हेतु रेल यातायात प्रभावित

जयपुर।पूर्व मध्य रेलवे द्वारा दानापुर मण्डल पर किऊल-लक्खीसराय जं.-शेखपुरा जं. स्टेशनों के मध्य अनुरक्षण कार्य के लिए नॉन इण्टरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। इस कार्य हेतु रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण गाडी संख्या 13424, अजमेर-भागलपुर रेलसेवा जो दिनांक 18.02.23 को अजमेर से प्रस्थान करेगी।

श्रीगंगानगर-हरिद्वार-श्रीगंगानगर स्पेशल रेलसेवा का संचालन

जयपुर।रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु श्रीगंगानगर-हरिद्वार-श्रीगंगानगर स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता के अनुसार गाडी संख्या 04717, श्रीगंगानगर-हरिद्वार स्पेशल रेलसेवा दिनांक 19.02.23 व 20.02.23 को श्रीगंगानगर से 17.10 बजे रवाना होकर अगले दिन 04.40 बजे हरिद्वार पहुँचेगी। गाडी संख्या 04718, हरिद्वार-श्रीगंगानगर स्पेशल रेलसेवा दिनांक 20.02.23 व 21.02.23 को हरिद्वार से 06.00 बजे रवाना होकर 15.45 बजे श्रीगंगानगर पहुँचेगी।

प. रेलवे पर रविवार को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

मुंबई। रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा 18/19 फरवरी, 2023 के बीच की मध्यरात्रि को 00.00 बजे से 04.00 बजे तक मुंबई सेंट्रल तथा माहिम स्टेशनों के बीच अप तथा डाउन फास्ट लाइनों पर चार घंटे का मेजर ब्लॉक लिया जायेगा। पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

रमेश बैस ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद की शपथ ली

मुंबई महाराष्ट्र के नवनियुक्त राज्यपाल रमेश बैस ने शनिवार को यहां अपने पद की शपथ ली। बंबई उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस वी गंगापुरवाला ने राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित समारोह में श्री बैस को राज्यपाल पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके सहयोगी मंत्रिगण समेत सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने रविवार को पूर्व राजयपाल भगत सिंह कोश्यारी का इस्तीफा स्वीकार करने के बाद श्री बैस को राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया था।

ईसी के फैसले पर भड़के उद्धव ठाकरे ने शिंदे गुट को दे डाली खुली चुनौती

शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए भारत के चुनाव आयोग को केंद्र का 'गुलाम' करार दिया और उन 'चोरों' को खत्म करने का संकल्प लिया, जिन्होंने सीएम शिंदे के नेतृत्व वाले समूह को शिवसेना का नाम और उसका चुनाव चिन्ह 'धनुष और तीर' आवंटित किया. तालियों की गड़गड़ाहट के बीच ठाकरे ने कहा, इन चोरों ने बाला साहेब ठाकरे की पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह चुरा लिया है. यह आज महा शिवरात्रि और कल शिवाजी जयंती की पूर्व संध्या पर किया गया. लेकिन मेरे 'सैनिक' मेरे साथ हैं. जब तक हम इन चोरों को खत्म नहीं कर देते, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे.

केंद्र सरकार पर साधा निशाना केंद्र की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग सहित सभी संस्थान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुलाम बन गए हैं, लेकिन वे बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को कभी 'नष्ट' नहीं कर सकते, हालांकि नाम-चिन्ह एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले टूटे समूह को दे दिया गया है. यहां तक कि चुनाव आयोग के आयुक्त भी मोदी के गुलामों की तरह व्यवहार कर रहे हैं. शायद उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद कुछ अच्छे पदों से पुरस्कृत किया जा सकता है, लेकिन महाराष्ट्र के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि कौन वास्तविक है. मैं इन चोरी करने वालों को चुनौती देता हूं कि वे 'धनुष-बाण' लेकर चुनावी रण में उतरें. हम अपनी 'ज्वलंत मशाल' से आपका सामना करेंगे और आपको सबक सिखाएंगे. पूर्व मुख्यमंत्री ने दिया ये दावा उदाहरणों का हवाला देते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि अतीत में इसी तरह के विवाद होते रहे हैं, लेकिन कभी भी टूटे हुए गुट को मूल पार्टी का नाम या प्रतीक नहीं दिया गया था, इस बार ईसीआई ने उन चोरों को हमारा नाम-चिन्ह दे दिया. वस्तुतः सड़कों पर उतरते हुए और जमीनी स्तर के कार्यकर्ता ओं के साथ सीधे बातचीत करते हुए, ठाकरे बांद्रा पूर्व में कलानगर जंक्शन पर एक अचानक रैली को संबोधित करने के लिए एक वाहन के ऊपर खड़े हो गए. 30 अक्टूबर, 1968 को उनके पिता दिवंगत बालासाहेब ठाकरे भी अपने समर्थकों के एक बड़े समूह को सार्व जनिक भाषण देने के लिए एक कार की छत पर खड़े हुए थे, जिसकी तस्वीरें आज सोशल मीडिया पर सामने आईं, जिसकी तुलना उद्धव ठाकरे से की जा रही है.

चुनाव आयोग पर भड़के संजय राउत

बोले- बदले की भावना से शिवसेना को खत्म करने की कोशिश

चुनाव आयोग द्वारा शुक्रवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट को 'असली' शिवसेना बताए जाने पर उद्धव गुट के सांसद संजय राउत भड़के नजर आए।

राउत ने चुनाव आयोग के फैसले को गलत बताते हुए जमकर निशाना साधा।

राउत ने कहा कि एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना के तौर पर मान्यता देने का निर्वा चन आयोग का फैसला 'लोकतंत्र की हत्या' है। इसके खिलाफ उनकी पार्टी लोगों के पास जाएगी। राउत ने आगे कहा, आयोग का यह फैसला 'राजनीतिक हिंसा' का काम है।

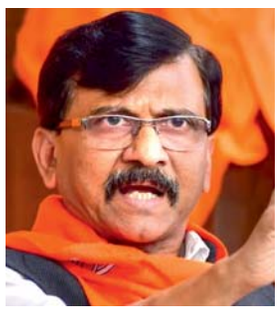

इसका उद्देश्य डर, बदले की भावना से शिवसेना को खत्म करना है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी राजनीतिक दलों को चुनाव प्रहरी से राजनीतिक दल की परिभाषा पूछने की जरूरत है। राउत ने महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के कंकावली में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'चुनाव आयोग का आदेश शिवसेना को खत्म करने के लिए एक तरह की राजनीतिक हिंसा है। यह डर और बदले की भावना से किया गया है।' उन्होंने शिवसेना का जिक्र करते हुए कहा कि एक पार्टी है जो 50 साल से अधिक पुरानी है और जिसके कुछ विधायक और सांसद दबाव में दलबदल कर गए हैं। उन्होंने चुनाव आयोग के फैसले को कानून, संविधान और लोगों की इच्छा का उल्लंघन बताया। राउत ने कहा, 'पार्टी और लोग उद्धव ठाकरे के साथ हैं और कानूनी लड़ाई जारी रहेगी।'

पंजाब में तस्करों के साथ मुठभेड़, 20 पैकेट हेरोइन, हथियार बरामद

गुरदासपुर सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब के गुरदासपुर सैक्टर में नशा तस्करों के साथ हुई मामूली मुठभेड़ के पश्चात अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक से 20 पैकेट हेरोइन, दो पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किए। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने शनिवार को बताया कि सुबह लगभग 0530 बजे, गुरदासपुर जिले के गांव खसावली के पास सीमा पर लगी कंटीली बाड़ के पास तस्करों की कुछ संदिग्ध गतिविधियों को देखा। उन्होने बताया कि बीओपी डीबीएन, शिकार, सेक्टर गुरदासपुर, पंजाब के एओआर में तैनात सतर्क बीएसएफ जवानों ने तस्करों को ललकारा, जिस पर पाक की तरफ से आए तस्करों ने जवानों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद बीएसएफ के जवानों ने तस्करों पर जवाबी गोलीबारी की। हालांकि घने कोहरे और खराब दृश्यता का फायदा उठाकर तस्कर भागने में सफल रहे। उन्होने बताया कि पूरे इलाके की घेराबंदी कर पुलिस और संबंधित एजेंसियों को सूचित कर दिया गया है।

अनुराग ठाकुर बोले- संकट में भारत की ओर देखते हैं विश्व के देश, पोस्ट प्रोडक्शन हब के रूप में उभरा देश

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को अपने आवास पर 'ऑपरेशन गंगा (डायरी ऑफ अ पब्लिक सर्वेंट)' किताब का विमोचन किया। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक क्षमताओं पर बात की और कहा कि आज हम विश्व से मदद नहीं मांगते बल्कि बाकी देश संकट में हमारी ओर देखते हैं। उन्होंने कहा, ऑपरेशन गंगा, कोरोना काल व अफगानिस्तान संकट में वहां फंसे सभी भारतीयों की बिना किसी खरोंच के स्वदेश वापसी कराई। सिर्फ भारतीयों की ही नहीं हमने अन्य देशों की भी मदद की। यूक्रेन में फंसे 18 देशों के 147 नागरिकों को भी हमने बचाया। ठाकुर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मंत्रिमंडल के चार मंत्रियों को

विशेष दूत बनाकर रूस-यूक्रेन से लगे देशों की सीमाओं पर भेजा। पोलैंड, स्लोवाकिया, रोमानिया, माल्डोवा, हंगरी जैसे देशों में हमारे मंत्रियों ने स्थानीय अधिकारियों से समन्वय कर छात्रों के लिए रहने के ठिकाने उपलब्ध कराए। हमारे मंत्री वहां तब तक रुके जब तक हमारे सभी बच्चे सकुशल वापस नहीं आ गए। केंद्रीय मंत्री ने ऑपरेशन गंगा में इंडियन एयरफोर्स द्वारा चलाये गए 13 विशेष अभियानों का भी उल्लेख किया। नेटफ्लिक्स के सीईओ टेड सारंडोस ने की अनुराग से मुलाकात नेटफ्लिक्स के सीईओ टेड सारंडोस ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात की। सारंडोस से बातचीत में ठाकुर ने बढ़ती रचनात्मक अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे भारत एक कंटेंट और पोस्ट प्रोडक्शन हब के रूप में उभरा है। इस मुलाकात में दोनों के बीच भारत की क्षेत्रीय सामग्री पर चर्चा हुई कि किस तरह आज दुनिया भर में भारतीय कंटेंट पसंद किए जा रहे हैं। मालूम हो कि टेड सारंडोस नेटफ्लिक्स के संस्थापक सदस्यों में से हैं, जो पिछले 23 साल से भी ज्यादा समय से काम कर रहे हैं।

बजट में पूंजीगत खर्च पर फोकस से बढ़ा निवेश, अगले साल जीडीपी में रह सकती है 7 फीसदी की वृद्धि

केंद्रीय बजट में पूंजी खर्च पर जोर से निजी निवेश में तेजी की उम्मीद है। इससे रोजगार उत्पन्न होने तथा मांग और भारत की वृद्धि संभावना बढ़ी है। इस आधार पर अगले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर सात प्रतिशत के करीब रहने का अनुमान है।

अर्थव्यवस्था की स्थिति पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक लेख में यह संभावना जताई गई है। हालांकि आरबीआई ने साफ किया है कि लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। आरबीआई के लेख में शुक्रवार को कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में पूंजीगत खर्च 10 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान रखा गया है जो जीडीपी का 3.3 फीसदी है। अर्थव्यवस्था की स्थिति पर प्रकाशित लेख में कहा गया है, हमारा मानना है कि भारत की स्थिति व्यापाक आर्थिक अनुमान से अलग होगी और दुनिया के अन्य भागों से भी यह हटकर होगी। हमारे विचार से इसे अलग करने वाली चीज केंद्रीय बजट है। इससे 2023-27 के दौरान भारत की वृद्धि संभावना बढ़ी है।

आपूर्ति-लागत के मोर्चे पर होगा सुधार

लेख के अनुसार हालांकि जनवरी में महंगाई बढ़ी है, आपूर्ति और लागत के मोर्चे पर स्थिति सुधरने की उम्मीद है। सभी सभ्यताओं की पौराणिक कथाओं को याद करते हुए, लेखकों ने कहा कि सूर्य को आमतौर पर चार घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाले रथ की सवारी के रूप में दर्शा यागया है। हमारे विचार में केंद्रीय बजट 2023-24 सूरज का सातवां घोड़ा है।

निवेश के लिए महाराष्ट्र पसंदीदा जगह : शिंदे

मुंबई मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जोर देकर कहा है कि महाराष्ट्र देश में निवेश करने के लिए पसंदीदा जगह बन गया है। श्री शिंदे ने शुक्रवार शाम को महाराष्ट्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज एवं एग्रीकल्चर द्वारा आयोजित महाराष्ट्र अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के उप प्रबंध निदेशक प्रवीण राघवेंद्र, करुणाकर शेट्टी, आशीष पेडनेकर आदि मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार समन्वय से कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने उद्योग के बढ़ने के लिए सकारात्मक निर्णय लिए है। राज्य में निवेश में वृद्वि शुरु हो गयी है और उद्गमियों में विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के उद्यमी प्रदेश की ताकत हैं। दावोस में आयोजित निवेश सम्मेलन में भाग लेने वाले दुनिया भर के कई उद्यमियों ने महाराष्ट्र चैंबर का दौरा किया एवं कई व्यवसायियों ने राज्य में निवेश करने में रुचि दिखाई है। सम्मेलन में करीब 1.37 लाख करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए और पर कार्या वयन शुरू किया गया है। श्री शिंदे ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार निवेश के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

भारतीय नौसेना का एलान: आईएनएस विक्रांत और विक्रमादित्य पर तैनात होंगे 'मेड इन इंडिया' फायर फाइटिंग बॉट

रक्षा क्षेत्र में 'मेक इन इंडिया' के लिए एक बड़ी सफलता में, भारतीय नौसेना जल्द ही विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य सहित अपने सबसे बड़े युद्धपोतों पर स्वदेशी अग्निशमन बॉट तैनात करने जा रही है। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए, नौसेना के उप प्रमुख एसएन घोरमडे ने 'मेक इन इंडिया' परियोजना के तहत समुद्री बल में की गई पहल के बारे में चर्चा की और कहा कि मुझे विश्वास था कि नौसेना स्वदेशी परियोजनाओं पर प्रधानमंत्री से किए गए वादे को पूरा करने में सक्षम होगी।

नौसेना उप प्रमुख घोरमाड़े ने एयरो इंडिया शो 2023 के मौके पर कहा कि एक अग्निशमन बॉट सहित दो अनुबंध पहले ही हो चुके हैं, जिसका उपयोग आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य विमान वाहक में किया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना ब्लू-ग्रीन लेजर जैसी गेम-चेंजिंग तकनीकों को शामिल करने पर भी काम कर रही है, जो बल को पानी के नीचे के जहाजों और वस्तुओं का पता लगाने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए आईडीईएक्स कार्यक्रम भारतीय नौसेना के लिए एक बड़ी सफलता रही है।

घोरमाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 75 चुनौतियों का शुभारंभ किया। हमने वास्तव में तेजी से काम किया है और यह काम किया है। हमने सोचा था कि अगर हमें सफलता हासिल करनी है, तो हमें चीजों को अलग तरीके से करना होगा। हमने अपनी प्रक्रियाओं को सरल बना दिया है ताकि हम इन मामलों को आगे बढ़ा सकें। हमें यकीन है कि 15 अगस्त तक हम प्रधानमंत्री मोदी से किए गए वादे के मुताबिक अपना लक्ष्य हासिल कर लेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना 'मेड इन इंडिया' प्रौद्योगिकियां प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है जो गेम-चेंजिंग तकनीकों से लैस युद्ध के लिए तैयार नौसेना के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी।

सिमटती सर्दी

राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में ठंड से जुड़े ताजा आंकड़े विशेषज्ञों का ध्यान खींच रहे हैं। इस क्षेत्र में ठंड का मौसम आम तौर पर मध्य नवंबर से फरवरी के आखिर तक माना जाता रहा है। लेकिन पिछले करीब एक दशक का ट्रेंड बताता है कि दिसंबर में ठंड कम होती जा रही है और जनवरी में ज्यादा। मौसम विभाग की शब्दावली में ठंड की तीव्रता दर्शा नेवाली दो श्रेणियां हैं- शीत दिवस या कोल्ड डे और शीत लहर या कोल्ड वेव। कोल्ड डे उस दिन माना जाता है जिस दिन न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे हो और उच्चतम तापमान सामान्य से कम से कम 4.5 डिग्री सेल्सियस नीचे। शीत लहर तब मानी जाती है, जब किसी इलाके में तापमान या तो 4 डिग्री सेल्सियस गिर जाए या न्यूनतम तापमान सामान्य से कम से कम 4.5 डिग्री सेल्सियस नीचे हो। इस पैमाने पर देखा गया है कि पिछले कुछ वर्षों से दिसंबर में कोल्ड डेज और कोल्ड वेव दोनों की संख्या अपेक्षाकृत कम हो रही है। उदाहरण के लिए, पिछले दिसंबर में पूरे महीने कोई कोल्ड वेव नहीं रही। कोल्ड डेज भी 2 ही रहे। 2021 में एक और 2020 में दो कोल्ड डेज रेकॉर्ड किए गए थे, जबकि 1990 से 2010 के बीच दिल्ली में दिसंबर महीने के दौरान हर साल औसतन 8-9 कोल्ड वेव और 12-15 कोल्ड डेज दर्ज किए गए थे। जनवरी की बात की जाए तो इस बार दिल्ली में 8 कोल्ड डेज दर्ज हुए जो पिछले 15 साल में सबसे ज्यादा हैं। यही नहीं, इस बार पिछले एक दशक की सबसे लंबी कोल्ड वेव (5 से 9 जनवरी) भी इसी महीने पड़ी। हालांकि जनवरी शुरू से साल का सबसे ठंडा महीना रही है, लेकिन वैज्ञानिकों में आम राय है कि करीब एक दशक पहले तक इस इलाके में ठंड नवंबर के आखिर से जनवरी के बीच अपेक्षाकृत ज्यादा उदारता से फैली रहती थी। सवाल यह है कि अब अगर यह जनवरी में सिमटती जा रही है तो इसे किसी रूप में देखा जाना चाहिए। मौसम विभाग और इससे जुड़े विशेषज्ञों की राय है कि इतनी कम अवधि और इतने सीमित क्षेत्र के आंकड़ों के आधार पर ज्यादा बड़े नतीजे नहीं निकाले जाने चाहिए। उनके मुताबिक तापमान में देखे जा रहे इन बदलावों के पीछे बहुत सारे लोकल और ग्लोबल फैक्टर हो सकते हैं। इन्हें क्लाइमेट चेंज की प्रक्रिया से जोड़कर नहीं देखा जा सकता।मगर कई अन्य विशेषज्ञ ध्यान दिलाते हैं कि मामला सिर्फ दिसंबर और जनवरी का नहीं, फरवरी में भी गर्मी सामान्य से ज्यादा देखी जा रही है। उनके मुताबिक इन बदलावों का संबंध क्लाइमेट चेंज से होने की संभावना पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। पहले भी ऐसी रिपोर्टें आई हैं जिनमें मौसम में बदलावों के पैटर्न को समझते हुए फसलों में परिवर्तन की जरूरत पर जोर दिया गया है। ये ऐसे पहलू हैं जिन्हें टालना किसी के हक में नहीं होगा।

नए महामहिम

किरीट ए. चावड़ा

केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र समेत 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में राज्यपालों को बदल दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। छत्रपति शिवाजी महाराज पर अपनी टिप्पणी को लेकर कोश्यारी विपक्ष के निशाने पर थे। लंबे इंतजार के बाद रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया। उनकी जगह झारखंड के मौजूदा राज्यपाल रमेश बैस को दी गई है। हालांकि इसके साथ ही 13 राज्यों में राज्यपाल बदलने का फैसला हुआ है, इसलिए औपचारिक तौर पर इसे नियमित फेरबदल का हिस्सा ही बताया जाएगा, लेकिन तथ्य यही है कि महाराष्ट्र में यह बदलाव आवश्यक हो गया था। इसके लिए विपक्ष लगातार दबाव बनाए हुए था और सत्तापक्ष का भी बड़ा हिस्सा भीतर ही भीतर इसके पक्ष में था। इस लिहाज से कोश्यारी का कार्यकाल अनूठा कहा जाएगा कि लगभग तीन साल की अवधि में उनके फैसलों और बयानों ने न केवल विरोधी पार्टियों को उद्वेलित किया बल्कि सत्ता पक्ष को असुविधाजनक स्थिति में डालने में भी कसर नहीं छोड़ी। यहां तक कि छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले पर दिए उनके बयानों ने राज्य के गैर-राजनीतिक माने जाने वाले हलकों में भी नाराजगी पैदा कर दी। उनका यह बयान भी खासा नुकसानदेह साबित हुआ कि अगर मुंबई से राजस्थानी और गुजराती लोग निकल जाएं तो यह देश की वित्तीय राजधानी कहलाने लायक नहीं रह जाएगी। इन विवादों की वजह से कोश्यारी का पद पर बने रहना मुश्किल होता गया और कुछ समय बाद उन्होंने खुद पद छोड़ने की इच्छा जता दी। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि उन्हें जल्द से जल्द पद की जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाए। इस लिहाज से देखें तो रविवार को आया राष्ट्रपति का फैसला ऐसा है जिससे सभी पक्षों ने राहत ही महसूस की। लेकिन इसी मौके पर अन्य राज्यों में हुई राज्यपाल की नियुक्ति के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। कुल 13 राज्यों में राज्यपाल बदले गए हैं, जिनमें से सात राज्यों में तबादले से काम चलाया गया। यानी वहां भेजे गए राज्यपाल पहले किसी और राज्य में इसी पद की शोभा बढ़ा रहे थे। जो छह नए चेहरे राजभवनों में भेजे गए हैं, उनमें एक सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश हैं तो चार बीजेपी नेता। पूर्व न्यायाधीश पिछले महीने ही सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए हैं। निश्चित रूप से यह कोई पहला मौका नहीं है सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज को राजभवन भेजे जाने का, न ही किसी भी रूप में ऐसा कहा जा सकता है कि रिटायर्ड जज राज्यपाल पद के साथ न्याय करने में सक्षम नहीं हैं। फिर भी यह बात कही जाती रही है कि राज्यपाल पद और सुप्रीम कोर्ट जज दोनों की गरिमा के लिए बेहतर होगा कि किसी जज को रिटायरमेंट के बाद राज्यपाल या अन्य पद सौंपते हुए न्यूनतम छह महीने या साल भर का अंतराल रखा जाए। अगर ऐसा हुआ होता तो इस नियुक्ति पर विवाद का साया न पड़ा होता।

भविष्य में कैसे हो अर्बन प्लानिंग

गणेश पाण्डेय

जोशीमठ के पहाड़ में 24 दिसंबर, 2009 को एक टनल बोरिंग मशीन ड्रिलिंग ने एक एक्वीफर (जलभृत) को पंक्चर कर दिया। यह वहां सेलंग गांव से तीन किलोमीटर की दूरी पर हुआ। नतीजतन 700-800 लीटर प्रति सेकंड की दर से पानी छोड़ गया। यह पानी 20-30 लाख लोगों की प्रतिदिन की जरूरत के लिए पर्याप्त था। इसके बाद जोशीमठ में भूजल स्रोत सूखने लगे। पहाड़ी ढलान पर भूस्खलन के जमाव से बने जोशीमठ में अपशिष्ट जल प्रबंधन की कोई व्यवस्था नहीं है। वहां की अधिकतर इमारतों में सोकपिट बने हैं। इससे सीवेज जमीन में प्रवेश करता है और यह भूमि के संभावित डूब को बढ़ाता है। इसके अलावा वहां चल रही बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं ने स्थिति की भयावहता को और बढ़ा दिया है। तपोवन-विष्णुगढ़ बांध और हेलंग-मारवाड़ी बाईपास रोड ऐसी ही परियोजनाएं हैं। यह अपूरणीय क्षति आने वाले बुरे समय की बानगी है।

धंसती जमीन अफसोस की बात है कि पहाड़ी शहरी भारत में भूमि धंसने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। भारत में 12.6 फीसदी भूमि क्षेत्र भूस्खलन के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र में आता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के अनुसार, अर्बन पॉलिसी इस स्थिति को और बदतर बना देती है। नतीजतन, इन क्षेत्रों में भूस्खलन की आशंका काफी बढ़ गई है। सवाल है कि ऐसे में किया क्या जाए। भू-धंसाव से बचाव की दिशा में पहला कदम विश्वसनीय डेटा की दरकार पर ध्यान देना है।

हमें भूस्खलन जोखिम की व्यापक स्तर पर पहचान करने की जरूरत है। इस सिलसिले में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने राष्ट्रीय स्तर पर एक पहल की है।

शहरी नीति-निर्माताओं को अतिरिक्त विवरण और स्थानीयकरण के साथ इसे और आगे ले जाने की आवश्यकता है।

उच्च भूस्खलन जोखिम वाले क्षेत्रों में बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट्स की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

आगे का रास्ता इस मुद्दे पर चुनिंदा उदाहरण आगे का रास्ता दिखाते हैं। मिजोरम में आइजोल, सेस्मिक जोन-V में आता है और बहुत खड़ी ढलानों पर बसा है। सात से अधिक तीव्रता वाला भूकंप आसानी से 1,000 से अधिक भूस्खलन को ट्रिगर करेगा और 13,000 इमारतों को ढहा देगा। इस शहर ने खतरनाक क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियों को निर्देशित करने के लिए एक भूस्खलन कार्ययोजना और नियम बनाए हैं। शहर की भूस्खलन नीति समिति इसके लिए अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों से सहयोग लेती है। इसके साथ वह जोखिम वाले क्षेत्रों के बारे में लगातार अपडेट्स देने के लिए नागरिक समाज और विश्वविद्यालय के छात्रों से इनपुट मांगती है। वहीं, सिक्किम के गंगटोक में अमृता विश्व विद्यापीठम ने रीयल-टाइम भूस्खलन निगरानी और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित करने में मदद की है। बाढ़ का खतरा

भूमि धंसने के अलावा बाढ़ का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। अगस्त, 2019 में महाराष्ट्र के डोंबिवली में पलावा शहर (फेज I और II) में बाढ़ आ गई थी। वहां रहने वाले लोग अपने फ्लैटों में तब तक फंसे रहे, जब तक कि पंपों का उपयोग करके पानी नहीं निकाला गया। मौसमी बहाव की तीव्रता में वृद्धि का ग्राफ और मौसमी बाढ़ का प्रभाव एक साधारण तथ्य से बिगड़ गया था। दरअसल, 4,500 एकड़ में फैला यह इलाका मोथाली नदी के बाढ़ के मैदान पर बसाया गया था।

जुलाई 2021 में पणजी बाढ़ से प्रभावित हुआ। लगातार बारिश के कारण स्थानीय नदियां उफान पर आ गईं और घरों में बाढ़ का पानी घुस गया। इस मामले में भी शहरी नियोजन की गड़बड़ी एक बड़ी वजह थी। यह शहर मांडोवी नदी के बाढ़ के मैदानों पर दलदली भूमि पर बसाया गया था, जो कभी मैंग्रोव और उपजाऊ खेतों से घिरा हुआ था।

इस बीच, अन्य शहरों को भी निकट भविष्य में बाढ़ के उच्च जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। दिल्ली में यमुना बाढ़ के मैदान में 9,350 परिवार रहते हैं। आईपीसीसी की मार्च 2022 की रिपोर्ट ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि समुद्र के जल स्तर में वृद्धि और बाढ़ के कारण कोलकाता को धंसने के एक गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ा। जाहिर है कि हमारे शहरों को बाढ़-रोधी उपायों की आवश्यकता होगी। शहरी योजनाकारों को सीवेज और तूफानी जल निकासी नेटवर्क को बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। विशेष रूप से मौजूदा सीवेज नेटवर्क के कवरेज और गहराई को विस्तारित करने की जरूरत है।

समुद्री जलस्तर चढ़ने से उसके जोखिम वाले क्षेत्रों में तटीय दीवारों को मजबूती देनी होगी।

बाढ़-प्रतिरोधी निर्माण के साथ-साथ बाढ़ चेतावनी प्रणाली के सुदृढ़ीकरण पर अधिक खर्च करना आवश्यक है। वर्षा के पैटर्न और तीव्रता में परिवर्तन के रूप में शहरी अधिकारियों को राहत प्रयासों को एकीकृत करने के साथ बाढ़ के हॉटस्पॉट और बाढ़ जोखिम मानचित्रों को निर्धारित करने के लिए सिमुलेशन क्षमता में निवेश की दरकार है। पर्यावरणनियोजन

यदि हमारे शहर प्राकृतिक खुली जगहों को बढ़ाने के लिए पर्यावरण नियोजन को सक्रिय रूप से शामिल करते हैं, तो हम कई जोखिमों को कम कर सकते हैं। अर्बन मास्टर प्लान में जलवायु परिवर्तन और मौसम के अत्यधिक प्रभाव पर विचार करने की आवश्यकता है। इसमें पूर्व चेतावनी प्रणाली को प्रभावी तौर पर विकसित करना खासतौर पर महत्वपूर्ण होगा। अंतिम तौर पर हम यह कह सकते हैं कि प्रत्येक शहर में एक आपदा प्रबंधन ढांचा होना चाहिए, जिसमें बड़ी सड़कें हों जो लोगों और सामानों को गति से शहर के अंदर और बाहर जाने की अनुमति दें। हमारी शहरी यात्रा एक चुनावी चक्र तक सीमित नहीं है, हमें एक बहु-पीढ़ीगत प्रक्रिया के साथ योजना बनानी चाहिए।

G-20 पर भारत की चाहत में रूस कैसे बना रोड़ा

भूपेन्द्र पटेल

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजित डोभाल पिछले सप्ताह रूस गए। वहां उन्होंने सुरक्षा परिषद सचिवों/राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की पांचवीं बहुपक्षीय बैठक में शिरकत की। मॉस्को में डोभाल की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन से भी मुलाकात हुई। बड़ी बात यह है कि पूतिन ने प्रोटोकॉल तोड़कर भारत के NSA के साथ 'द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मसलों' पर व्यापक बातचीत की। इससे पता चलता है कि ऐसे में जब रूस वैश्विक बिरादरी में अलग-थलग पड़ता जा रहा है और उसे चीन के जूनियर पार्टनर के रूप में देखा जाने लगा है, वह भारत के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बनाए रखना चाहता है।

युद्ध में तेजी के आसार

इधर, भारत ने कुछ महीनों पहले जी-20 का अध्यक्षता संभाली है। वह चाहता है कि उसका यह कार्यकाल कुछ ठोस उपलब्धियों के लिए जाना जाए। लेकिन इस पर यूक्रेन युद्ध की आंच पड़ सकती है।

- 10 दिनों में रूस-यूक्रेन युद्ध को साल भर का वक्त हो जाएगा। इस बीच, रूस हमलों की धार तेज करने के मूड में है। दूसरी ओर, यूक्रेन भी हथियारों का भंडार बढ़ा रहा है। वह रूस को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी में है।

- अगर युद्ध तेज होता है तो दुनिया भर में महंगाई दर बढ़ेगी, जो पहले ही काफी ऊंची है। इससे ग्लोबल इकॉनमी पर भी खराब असर होगा।

- ऐसी स्थिति में भारत की अध्यक्षता में जी-20 के लिए कुछ ठोस हासिल करना मुश्किल हो जाएगा।

रूस ने क्या कहा

अपने एक हालिया इंटरव्यू में भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलिपोव ने माना था कि दोनों देशों के बीच रिश्ते हमेशा दोस्ताना, भरोसेमंद और मजबूत रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से भू-राजनीतिक बदलावों के कारण उनमें तनाव देखने को मिल रहा है।

- अलिपोव ने रूस के चीन का जूनियर पार्टनर बनने की अटकलों को भी खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि रूस कभी भी किसी का जूनियर पार्टनर नहीं रहा है।

- रक्षा सहयोग पर अमेरिकी और रूसी नजरिए के फर्क पर जोर देते हुए उन्होंने कहा था, 'कभी-कभी भारत के साथ अमेरिकी सहयोग के बारे में पढ़ना बहुत रोचक लगता है। अडवांस्ड टेक्नॉलजी और टेक्नॉलजी ट्रांसफर पर जो कुछ हम ऑफर करते हैं, वैसा कुछ वे नहीं देते। हम टेक्नॉलजी ट्रांसफर को अपनी पॉलिसी से नहीं जोड़ते। हमारे प्रॉजेक्ट भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' नीतियों के पूरक के तौर पर काम करते हैं। पश्चिम ऐसा नहीं करता।'

भारत की दुविधा

अलिपोव की बात पहले भले ही सच हो, लेकिन इधर अमेरिका में रुख में टेक्नॉलजी को लेकर बदलाव आया है। वह भारत को अत्याधुनिक डिफेंस टेक्नॉलजी की पेशकश करने जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई 2022 में इनिशटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नॉलजी (ICET) का एलान किया था। इस पर हाल में अमल शुरू हुआ है। इससे दोनों देशों के बीच को-प्रोडक्शन और को-डिवेलपमेंट के लिए तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने वाले नए द्विपक्षीय डिफेंस इंडस्ट्रियल कोऑपरेशन का रास्ता साफ हो रहा है। लेकिन भारत अपने पारंपरिक डिफेंस पार्टनर रूस को नहीं खोना चाहता।

पाक से करीबी का सवाल

दिलचस्प है कि अलिपोव ने एक तरफ आश्वस्त किया कि पाकिस्तान के साथ रूस ऐसा कोई समझौता या पहल नहीं करेगा, जिससे भारत के साथ उसके रिश्तों पर आंच आए। लेकिन इसके साथ यह भी बताया, 'हम (रूस) पाकिस्तान के साथ अपनी आर्थिक साझेदारी का विस्तार करना चाहते हैं।'

- हाल के वर्षों में पाकिस्तान और रूस दोनों तरफ से आपसी रिश्ते मजबूत करने की इच्छा दिखी है। लेकिन ऐसे समय जब पाकिस्तान अभूतपूर्व आर्थिक संकट से गुजर रहा है, रूस के साथ दोस्ती गांठना उसकी प्राथमिकताओं में शामिल नहीं हो सकता।

- यह समझना भी मुश्किल है कि जब चीन जैसा दोस्त, जो हर मुश्किल में पाकिस्तान के साथ खड़ा होने का दावा करता आया है, वह भी लंबी-चौड़ी घोषणाओं के बावजूद पड़ोसी देश की खास मदद नहीं कर सका, तब पाकिस्तान के साथ रूस किस तरह की आर्थिक साझेदारी करना चाहता है।

संतुलित विदेश नीति

बहरहाल, विदेश नीति का मतलब ही है संकेत देना और अलिपोव भी भारत को संकेत ही दे रहे हैं कि रूस अहम तकनीक साझा करते हुए ऐतिहासिक तौर पर भारत के साथ खड़ा रहा है और आज भी उसे चीन के बराबर का दर्जा देता है। लेकिन अगर वह पाकिस्तान के साथ रिश्ते बनाता है तो भारत को बुरा नहीं मानना चाहिए।

- भारत ने भी रूस के साथ अपने रिश्तों को कभी चीन या पाकिस्तान से जोड़कर नहीं देखा है। अतीत में रूसी नीति-निर्माता दिल्ली आकर भारत के हिंद-प्रशांत को अपने सामरिक चश्मे से देखने या क्वाड का सदस्य बनने पर खुला एतराज जता चुके हैं। इन सबके बीच भारत ने हमेशा यह सतर्कता बनाए रखी कि रूस और पश्चिम से उसके संबंधों में संतुलन बिगड़ने न पाए।

- यूक्रेन पर रूसी हमले को साल भर का वक्त होने को आया, लेकिन भारत ने इसकी अभी तक खुलकर निंदा नहीं की है। सच तो यह है कि पिछले कुछ महीनों में भारत ने रेकॉर्ड मात्रा में रूसी कच्चा तेल खरीदा है।

- कूटनीतिक संतुलन बनाए रखने में भारत की लगभग पूर्ण सफलता का प्रमाण अमेरिका की ओर से आए उन हालिया बयानों को माना जा सकता है, जिसमें कहा गया कि निकट भविष्य में भारत के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का उसका कोई इरादा नहीं है।

यह कैसा विरोधाभास

इसमें दो राय नहीं कि आज भारत की स्वतंत्र विदेश नीति के सामने यूक्रेन पर रूस के हमले की वजह से चुनौती बढ़ी है। हथियारों के मामले में रूस पर निर्भरता के चलते भी भारत की परेशानी बढ़ी है। खासतौर पर चीन के साथ भारत के सीमा विवाद की वजह से। इसमें भारत के साथ रूस का खड़ा होना मुश्किल है। इन सबके बीच भारत चाहता है कि जी-20 की उसकी अध्यक्षता निर्णायक और ठोस उपलब्धियों के लिए जानी जाए। देखना होगा कि यूक्रेन पर रूस के हमला तेज करने पर उसे महत्वाकांक्षी वैश्विक अजेंडा को आकार देने की स्थिति में रहने देते हैं या नहीं।

शिंदे-फडणवीस सरकार लगाएगी बॉलीवुड पर लगाम! जल्द जारी होंगे ये नियम

एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार अब फिल्म उद्योग और मनोरंजन क्षेत्र में निर्मा ताओं और कलाकारों की मनमानी पर अंकुश लगाने जा रही है. क्योंकि सरकार ने फिल्म उद्योग में काम करने वाले अभिनेताओं और श्रमिकों के साथ-साथ निर्मा ताऔर निर्देशकों के लिए एक नया नियम लागू करने का फैसला किया है. सूत्रों ने जानकारी दी है कि सरकार द्वारा नए नियम जल्द ही प्रकाशित किए जाएंगे. ऐसा करने पर हो सकती है गिरफ्तारी बॉलीवुड सेक्टर में कई जगहों पर कर्म चारियों को समान वेतन नहीं मिलता है, इसलिए सरकार ने यह फैसला लिया है. राज्य सरकार के फैसले के बाद कलाकारों और कर्मियों का वेतन कानून के मुताबिक देना होगा. सरकार इसे भुगतान नहीं करने वाले निर्मा ताओं और ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश जारी करेगी. इसके विपरीत नए कानून में निर्मा ताओंऔर निर्देशकों के काम को अचानक रोक देने से कलाकारों और कर्म चारियों को भी गिरफ्तार नहींकिया जा सकता है.

शिकायत करने के लिए बनाया जाएगा पोर्टल सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कलाकारों और श्रमिकों के लिए किसी भी मुद्दे की शिकायत करने के लिए एक नया पोर्टल बनाया जाएगा. इस पोर्टल पर कलाकारों और कामगारों को फिल्म उद्योग में उपलब्ध काम की जानकारी मिलेगी. लागू होगी एसओपी फिल्म निर्मा ताओंके पास श्रमिकों और कलाकारों की जिम्मेदारी होगी. फिल्म सीरियल, विज्ञापनों और वेब सीरीज पर एसओपी लागू होगा. श्रमिकों और कलाकारों का शोषण रोकने के लिए एसओपी लागू की जाएगी. न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के अनुसार वेतन देना अनिवार्य है. आपके सरकारी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा. सरकार द्वारा महिला श्रमिकों को गृह परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराने का आदेश दिया जायेगा. इस बारे में आधिकारिक जानकारी सरकार की ओर से जल्द ही दी जाएगी. फेमस है मुंबई की मायानगरी मायानगरी मुंबई में प्रसिद्ध फिल्म उद्योग के कारण मुंबई बहुत महत्वपूर्ण है. इस उद्योग में कई कर्म चारीऔर श्रमिक काम करते हैं. उन्हें वर्षों से कुछ समस्याएं हैं. इसमें समान काम समान वेतन, ऐसे मुद्दे शामिल थे जो वे नहीं उठा सकते थे. इतने सारे फिल्म अभिनेता, कर्म चारी और निर्मा ता मांग कर रहे थे कि शिंदे-फडणवीस सरकार को बॉलीवुड को विनियमित करना चाहिए और इसे नियंत्रण में लाना चाहिए. इसमें सांस्कृतिक विभाग ने इस पर ध्यान दिया है और पिछले कुछ महीनों से इस बारे में सभी से बात कर नियमावली तैयार की है.

मुंबई में 346 जगहों पर मनेगी शिवजयंती उत्सव

मुंबई। हिंदवी स्वराज के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की 393 वीं जयंती के अवसर पर 19 फरवरी को मुंबई भाजपा की तरफ से 227 वार्डों में शिवजयंती के कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। भाजपा की आघाड़ी और मोर्चो को मिलाकर कुल 346 जगहों पर शिवजयंती मनाई जाएगी। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर द्वारा लिखित छत्रपति शिवाजी महाराज की आरती उतारी जाएगी। गुरुवार को यह जानकारी मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने दी।

मुंबई भाजपा कार्या लय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में शेलार ने राजनीतिक विरोधियों से छत्रपति शिवाजी महाराज के सम्मान समारोह में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य में शिंदे-फडणवीस सरकार बनने के बाद भाजपा की तरफ से दही हांडी, गणेशोत्सव, नवरात्रि उत्सव, दिवाली उत्सव का बड़े पैमाने पर आयोजन किया गया। इसी प्रकार अब छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े उत्साह से मनाई जाएगी। प्रत्येक वार्ड के नाके पर जयंती उत्सव मनाया जाएगा। शेलार ने कहा कि उत्तर पश्चिम जिले में 58, उत्तर पूर्व जिले में 50, उत्तर मध्य में 63, उत्तर मुंबई में 69, दक्षिण मध्य में 44, दक्षिण मुंबई में 62 स्थानों पर शिव जयंती कार्यक्रम आयोजित होंगे। इनमें से 36 जगहों पर भव्य कार्यक्रम होगा। इनमें वर्ली नाका, माटुंगा स्टेशन, शिवाजी पार्क, राम नगर-मालाड (पश्चिम), भायखला, चेंबूर, अणुशक्ति नगर, सायन कोलीवाड़ा, दहिसर, आनंद नगर, शाहजी राजे स्टेडियम-मालाड, लोखंडवाला-कांदिवली, खार (पश्चिम) शामिल हैं। शिवनेरी किले पर स्वराज्य महोत्सव 2023 का आयोजन महाराष्ट्र पर्यटन विभाग और पुणे जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में शिवनेरी किले में छत्रपति शिवाजी महाराज जन्मोत्सव समारोह के निमित्त विभिन्न कार्यक्रम 18 से 20 के बीच आयोजित किए जाएंगे। इस बात की जानकारी पर्यटन मंत्री मंगल प्रभात लोढा ने दी। यहां मंत्रालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में लोढा ने कहा कि महोत्सव में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, सांसद उदयन राजे भोसले, पुणे जिले के पालक मंत्री चंद्रकांत पाटिल, विपक्ष के नेता अजित पवार, विधान परिषद उपसभापति डॉ. नीलम गोरे सहित पुणे जिले के सभी जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

आईआईटी रूड़की-सीडब्ल्यूसी में करार

नई दिल्ली। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने ड्रिप योजना के तहत बांधों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर का उत्कृष्टता केंद्र विकसित करने के लिए आईआईटी रूड़की के साथ एक समझौता किया है। जल शक्ति मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, जल शक्ति मंत्रालय के केंद्रीय जल आयोग ने बाह्य वित्तपोषित बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना के द्वितीय एवं तृतीय चरण के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर का उत्कृष्टता केंद्र विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन किया है। जलशक्ति मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह समझौता ज्ञापन 10 वर्ष अथवा ड्रिप चरण-2 और चरण-3 योजना की अवधि, इसमें से जो पहले हो, तब तक वैध रहेगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर का उत्कृष्टता केंद्र, रूड़की भारतीय एवं विदेशों में बांध का स्वामित्व रखने वालों को जांच, मॉडलिंग, शोध, नवाचार और तकनीकी सहयोग सेवाओं में विशेषज्ञ तकनीकी समर्थन प्रदान करेगा।

छोटे व्यापारों पर क्यों नहीं चला 'जादू' : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के 'मित्रकाल' में 76 प्रतिशत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को कोई मुनाफा नहीं हुआ है। उन्होंने कारोबारी गौतम अडाणी का नाम लिए बिना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि एक 'मित्र' को दुनिया का दूसरा सबसे अमीर बनाने वाला 'जादू' छोटे व्यापारियों पर क्यों नहीं चलाया गया? राहुल गांधी ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए ट्वीट किया, मित्र काल की कहानी : 76 प्रतिशत एमएसएमई को कोई मुनाफा नहीं, 72 प्रतिशत की आमदनी स्थिर रही, घटी, या खत्म। 62 प्रतिशत को बजट से सिर्फ निराशा मिली। उन्होंने सवाल किया, जिस जादू से एक 'मित्र' को दुनिया में दूसरा सबसे अमीर बनाया, वही जादू छोटे व्यापारों पर क्यों नहीं चलाया?

मुंबई की हवा हुई जहरीली, भारत के सबसे प्रदूषित शहरों में दूसरे नंबर पर मायानगरी

मुंबई: बढ़ते तापमान के चलते भले ही इन दिनों मुंबई की वायु गुणवत्ता में सुधार आया है, लेकिन वायु प्रदूषण के मामले में मुंबई दुनिया भर में दूसरा सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। स्विस एयर ट्रैकिंग इंडेक्स (आईक्यूएयर) के नई सूची के अनुसार, लाहौर नंबर एक पर, जबकि तीसरे पर काबुल को रखा गया है। स्विस एयर ट्रैकिंग इंडेक्स एक वास्तविक समय वायु गुणवत्ता मॉनिटर है। इसके अनुसार मुंबई को 29 जनवरी से 8 फरवरी के बीच एक सप्ताह के लिए देश में सबसे प्रदूषित शहर और विश्व स्तर पर दूसरे सबसे प्रदूषित शहर के रूप में स्थान दिया गया है। 29 जनवरी को मुंबई को प्रदूषण के मामले में सबसे खराब शहर की रैंकिंग में 10वें नंबर पर रखा गया था। 29 के बाद यहां की आबोहवा में प्रदूषण और बढ़ता गया, फिर 2 फरवरी को मुंबई सर्वा धिक प्रदूषित शहरों में दूसरे नंबर पर पहुंच गया। 13 फरवरी को मुंबई ने प्रदूषित शहरों के रूप में कुख्यात दिल्ली को भी पीछे छोड़ दिया और अब यह दुनिया भर में दूसरा सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। इस साल स्थिति ज्यादा खराब द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक इस साल मुंबई में 'खराब' और 'बेहद खराब' दिन पिछली 3 सर्दियों की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा थे। शोध के अनुसार, मुंबई की हवा में 71% से अधिक पार्टिकुलेट मैटर लोड का कारण निर्मा ण की धूल है। जबकि, अन्य स्रोत में कारखाने, बिजली संयंत्र आदि शामिल हैं। BKC में सर्वा धिक पल्यूशन सीपीसीबी के मुताबिक इस बार मुंबई में प्रदूषण के मामले में बीकेसी टॉप पर है, जबकि देवनार दूसरे नंबर पर रहा है। तीसरे स्थान पर यहां का अंधेरी वाला इलाका है। बीकेसी में निर्मा णकार्य के चलते यहां प्रदूषण का स्रोत धूल रहा है, जबकि देवनार में डंपिंग ग्राउंड, केमिकल फैक्ट्रियां और बायोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट प्रदूषण के स्रोत रहे हैं।

इसी तरह अंधेरी में प्रदूषण बढ़ने का कारण इंडस्ट्रियल कारखाने हैं। क्या कहते हैं विशेषज्ञ पर्या वरणपर काम करने वाली संस्था 'पर्या वरण के संस्थापक भगवान केशभट ने कहा कि मुंबई में प्रदूषण का मामला बढ़ता जा रहा है। इसे बीएमसी सहित सभी प्रदूषण एजेंसियों को गंभीरता से लेना चाहिए। इस प्रदूषण से मुंबईकरों के स्वास्थ्य पर विपरीत परिणाम हो रहे हैं। यह एक हेल्थ इमरजेंसी का मुद्दा भी है। गौरतलब है कि बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल को बजट में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लक्ष्य निर्धा रित किया है।

पिछले कुछ महीनों में मुंबई में प्रदूषण का स्तर लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। बीएमसी आने वाले दिनों में कंस्ट्रक्शन साइट से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएगी।

बालासाहेब थोराट ने नाना पटोले से नाराजगी की खबरों का खंडन किया

महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ नाना पटोले से नाराजगी के सवाल पर पार्टी के नेता बालासाहेब थोराट ने कहा कि किसने कहा कि मैं किसी से नाराज हूं? मुझे इस बारे में मीडिया के जरिए ही पता चला. उन्होंने कहा, 'मैंने कभी भी व्यक्त नहीं किया कि मैं परेशान हूं.' बीते दिनों बालासाहेब थोराट ने विधानसभा में कांग्रेस के विधायक दल के नेता पद से इस्तीफा दे दिया था. नाना पटोले के खिलाफ हाईकमान को लिखा था पत्र दरअसल, बालासाहेब थोराट ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को पत्र लिखकर कहा था कि वह नाना पटोले के साथ काम करने में असमर्थ हैं. इसके अगले दिन ही उन्होंने सीएलपी पद से इस्तीफा दे दिया था. थोराट के एक सहयोगी ने यह भी कहा था कि उन्होंने आला कमान को लिखे पत्र में कहा कि महाराष्ट्र में पार्टी के अंदर जो फैसले लिए जाते हैं उनसे सलाह-मशविरा नहींकिया जाता.

ठाणे मनपा के असिस्टेंट कमिश्नर पर हमला, NCP नेता जितेंद्र आव्हाड पर FIR, 4 समर्थक पुलिस हिरासत में

ठाणे (महाराष्ट्र): ठाणे पुलिस ने असिस्टेंट म्यूनिसिपल कमिश्नर महेश अहेर पर हमले के बाद बुधवार रात को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री जितेंद्र आव्हाड और सात अन्य लोगों के खिलाफ कथित रूप से हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया। जितेंद्र आव्हाड के समर्थकों अभिजीत पवार, हेमंत वानी, विक्रम खामकर और विश्वांत गायकवाड़ को नौपाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार किया। सभी को ठाणे कोर्ट ने एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने बताया कि इनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री जितेंद्र आव्हाड समेत सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज होने के बाद से ठाणे में घटना तेजी से हो रहा है। असिस्टेंट म्यूनिसिपल कमिश्नर महेश अहेर के कथित ऑडियो क्लिप से शुरू हुए इस मामले में नए खुलासे और आरोप-प्रत्यारोप हो रहे हैं। आरोप है कि महेश अहेर ने जितेंद्र अवाद के करीबी सहयोगी शाहरुख सैयद को जान से मारने की धमकी दी थी। शाहरुख सैयद ने मीडिया को बताया कि महेश अहेर ने उन्हें 12 फरवरी को फोन पर धमकी दी थी। जैसे जितेंद्र आवाद सहित सात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है वैसे ही महेश अहेर पर भी मुकदमा दर्ज किया जाए, अब जितेंद्र आवाद के समर्थक व माविया के नेताओं की ओर से यह मांग की जा रही है। मनपा मुख्यालय पर असिस्टेंट कमिश्नर पर हमला मनपा मुख्यालय पर असिस्टेंट कमिश्नर पर हमला मनपा अतिक्रमण विभाग के दबंग सहायक आयुक्त महेश आहेर पर बुधवार की शाम कुछ लोगों ने हमला कर दिया। मनपा मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर हुई इस घटना से हड़कंप मच गया है। मनपा के सुरक्षा गार्डों के सामने हुई घटना ने मनपा की सुरक्षा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नहीं हुआ था। आहेर को मेडिकल जांच के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। आरोप है कि एनसीपी के लोगों ने आहेर पर हमला किया है। कब हुआ महेश आहेर पर हमला महेश आहेर ड्यूटी खत्म कर घर जा रहे थे। उनके साथ रिवाल्वरधारी पुलिस सुरक्षाकर्मी था। मनपा मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर ही पहले से घात लगाए करीब चार लोगों ने उन पर हमला कर दिया। बताया गया है कि हमला करने वालों ने आहेर से पूछा कि आखिर वे राज्य के पूर्व मंत्री व विधायक जितेंद्र आव्हाड और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी क्यों दे रहे हैं?

बहुत गुणकारी है नींबू का रस, इन शारीरिक समस्याओं से राहत के लिए ऐसे करें सेवन

रंजनबेन मसोया

हमारे भारतीय किचन में ही ऐसी कई खाद्य सामग्रियां हैं जो सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं। इनके उपयोग से कई तरह की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है और कई बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। इन्हीं खाद्य सामग्रियों में से एक है नींबू। नींबू कई औषधीय गुण से भरपूर होता है। चेहरे के दाग-धब्बों और मुहासों से लेकर सेहत से जुड़ी अन्य समस्याओं में आप नींबू का इस्तेमाल कर सकते हैं। नींबू में विटामिन सी होता है। आयुर्वेद में नींबू को महत्वपूर्ण फल माना जाता है, जिसे सर्वश्रेष्ठ रोग नाशक और रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने वाले फल के तौर पर विशेषज्ञ मान्यता देते हैं। नींबू को घरेलू उपचार और दवा के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर नींबू के के कई फायदें हैं। चलिए जानते हैं नींबू के नियमित सेवन से सेहत में होने वाले लाभ और फायदों के बारे में।

नींबू पेट की समस्या में फायदेमंद

कब्ज- अगर आपको पाचन या पेट संबंधी समस्या है तो आप नींबू के रस का सेवन कर सकते हैं। सुबह उठकर खाली पेट दो गिलास पानी में एक नींबू और थोड़ा नमक डालकर पीएं। शाम में भी नींबू नमक का पानी पीएं। ऐसा करने से कब्ज से राहत मिलेगी।

उल्टी- इसके अलावा अगर आपको उल्टी आ रही हो तो आधे कप पानी में नींबू के रस, जीरा और एक इलायची के दाने को पीसकर मिलाएं। दो घटों के अंतराल में इसे पीने से उल्टी बंद हो जाती है।

खट्टी डकारें- सही खान पान न होने से खाना पचता नहीं है, जिसके कारण शरीर में अम्लता बढ़ती है और खट्टी डकारे आने लगती हैं। इसे दूर करने के लिए पीना में नींबू का रस, चीनी और थोड़ा नमक मिलाकर पीने से राहत मिलती है।

चेहरे के दाग-मुहांसे हटाना

त्वचा पर होने वाले दाग-धब्बे और मुहांसे की समस्या से अक्सर लोग परेशान होते हैं। इसका सस्ता और फायदेमंद इलाज है नींबू। एक चम्मच मलाई में एक चौथाई नींबू निचोड़ कर रोज चेहरे पर लगाएं। इससे चेहरे की रंगत साफ होती है और मुहांसों से भी राहत मिलती है। लगभग एक महीना ऐसा करने से आपको असर दिखने लगेगा।

वजन घटाना

वजन कम करने या मोटापा घटाने के लिए नींबू का रस लाभकारी है। रोजाना सुबह एक गिलास पानी में एक नींबू का रस और दो चम्मच शहद मिलाकर सेवन करने से वजन कम होता है।

बालों का झड़ना

अगर गंजेपन की शिकायत हो रही है तो नींबू बहुत फायदेमंद हो सकता है। इससे बाल झड़ना रुक जाते हैं। पके केले में नींबू का रस मिलाकर उसका पेस्ट बना लें और नियमित सिर की जड़ो में लगाएं। गंजापन दूर होता है। नींबू के रस को आंवला पाउडर के साथ मिलाकर भी बालों में लगा सकते हैं, इससे रूसी खत्म होती है और बाल काले व लंबे होते हैं।

पेट दर्द- पेट दर्द से राहत पाने के लिए अजवाइन, जीरा और चीनी को बराबर मात्रा में बारीक पीस लें। नमक और थोड़ा नींबू का रस मिलाकर गर्म पानी के साथ खाएं।

दांत दर्द- अगर दांत में दर्द हो रहा है तो 2-3 लौंग पीसकर इसमें नींबू का रस मिला लें और प्रभावित दांत में लगाकर हल्की उंगली से मले।

जोड़ों का दर्द - जोड़ों में दर्द की समस्या से परेशान है तो नींबू के रस की मालिश करने या नींबू का पानी पीने से फायदा मिलता है।

दर्द से राहत

नींबू कई तरह के दर्द में भी फायदेमंद होता है। पेट दर्द हो या दांत दर्द, जोड़ों व कान के दर्द में नींबू के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कोरोना ने बदतर बना दी हालत, डायबिटीज के मामलों में तेजी से हुआ है इजाफा

चार्ल्स पटेल

एशिया और अफ्रीका में डायबिटीज मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसकी एक बड़ी वजह कोरोना महामारी के दिनों में लोगों की बदल गई आदतों को बताया जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक लॉकडाउन के दिनों में घर पर रहने के कारण बहुत से लोगों की जीवन-शैली सुस्त हो गई। उसका नतीजा उनमें से अनेक लोगों के डायबिटीज का मरीज बनने के रूप में सामने आया है। वैसे मध्य वर्गीय परिवारों में बढ़ रहे मोटापे के कारण यह रोग कोरोना महामारी के पहले भी फैल रहा था।

वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम पर छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में 2021 में डायबिटीज पीड़ित मरीजों की संख्या दस साल पहले की तुलना में 5.2 गुना ज्यादा हो चुकी थी। इस्लामाबाद स्थित शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल में डायबिटीज विशेषज्ञ मतिउल्लाह खान ने इस वेबसाइट से कहा- 'पहले पाकिस्तान में डायबिटीज 40 साल से ज्यादा उम्र में ही होता था। लेकिन धीरे-धीरे 30 वर्ष और अब 20 वर्ष से अधिक के लोग भी इससे पीड़ित होने लगे हैं।'

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर डायबिटीज का ठीक से इलाज ना हो, तो यह हृदय रोग, स्ट्रोक (पक्षाघात) या अंधेपन का कारण बन सकता है। इस्लामाबाद स्थित संस्था डायबिटीज सेंटर के एक अधिकारी ने बताया कि देश में इस रोग को लेकर जागरूकता का अभाव है। सरकार ने लोगों को शिक्षित और जागरूक बनाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है, जबकि इस रोग के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक इस मामले में पाकिस्तान अकेला उदाहरण नहीं है।

> अंतरराष्ट्रीय संस्था इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन ने एक हालिया रिपोर्ट में बताया है कि 2021 में विकासशील देशों में डायबिटीज के मामलों में तेज बढ़ोतरी हुई। इसके आधार पर अनुमान लगाया गया है कि साल 2045 तक एशिया और अफ्रीका में इस रोग से पीड़ित लोगों की संख्या 56 करोड़ तक पहुंच जाएगी...

अंतरराष्ट्रीय संस्था इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन ने एक हालिया रिपोर्ट में बताया है कि विकासशील देशों में डायबिटीज के मामलों में तेज बढ़ोतरी हुई। इसके आधार पर अनुमान लगाया गया है कि साल 2045 तक एशिया और अफ्रीका में इस रोग से पीड़ित लोगों की संख्या 56 करोड़ तक पहुंच जाएगी। तब तक सिर्फ दक्षिण एशिया में अभी की तुलना में 70 फीसदी बढ़ोतरी के साथ इस रोग के 22 करोड़ मरीज हो चुके होंगे।

विशेषज्ञों के मुताबिक डायबिटीज का कारण पैनक्रियाज (अग्नाशय ग्रंथि) का ठीक से काम ना करना होता है। पैनक्रियाज पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन बनाने में अक्षम हो जाता है, तो खून में शुगर की मात्रा बढ़ने लगती है। इस रोग के दो प्रकार होते हैं। इसके टाइप-1 के मरीजों में इसकी वजह वंशानुगत होती है, जबकि टाइप-2 डायबिटीज जीवन शैली संबंधी कारणों से होता है। 90 फीसदी डायबिटीज मरीज टाइप-2 श्रेणी में आते हैं।

ताजा अध्ययन रिपोर्टों के मुताबिक कोरोना वायरस के प्रसार से डायबिटीज की स्थिति बदतर हो गई है। अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफॉर्निया की एक स्टडी के मुताबिक नवंबर 2021 में लोग महामारी से पहले की तुलना में रोजाना औसतन दस फीसदी कम कदम चल रहे थे। यह अध्ययन कार्डियोलॉजिस्ट एक टिसन ने किया। प्रो. टिसन ने बताया कि अमेरिका और यूरोप में हालांकि कोविड प्रतिबंध काफी पहले हटा लिए गए, लेकिन लोगों की शारीरिक श्रम की मात्रा पहले जितनी बहाल नहीं हो सकी है। एशिया में तो इसमें 30 फीसदी तक गिरावट दर्ज की गई है। यही डायबिटीज फैलने का मुख्य कारण है।

विटामिन डी की मात्रा कम या ज्यादा होने के लक्षण, सेहत पर पड़ता है क्या असर?

राज के.वेगड़

शरीर को अन्य पोषक तत्वों की तरह विटामिन डी की भी आवश्यकता होती है। विटामिन डी को सनशाइन विटामिन के नाम से भी जाना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ शरीर में विटामिन डी की पूर्ति के लिए सूरज की रोशनी लेने की सलाह देते हैं। यह विटामिन डी की पूर्ति का अच्छा तरीका है। हालांकि इसके अलावा भरपूर पौष्टिक चीजों के सेवन से भी विटामिन डी की कमी पूरी की जा सकती है। विटामिन डी से सेहत को होने वाले फायदे की बात करें तो यह शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत करने का काम करता है। इसके साथ ही मांसपेशियों की कोशिकाओं को सेहतमंद रखता है। विटामिन डी के फायदे और विटामिन डी की पूर्ति के स्रोत के बारे में तो आपने जान लिया लेकिन क्या आपको पता है कि शरीर को कितना विटामिन डी चाहिए होता है? आपके शरीर में विटामिन डी की कमी है, इसके क्या लक्षण हैं? और विटामिन डी का अगर जरूरत से ज्यादा सेवन कर लिया जाएं तो क्या नुकसान हो सकते हैं? चलिए जानते हैं शरीर में विटामिन डी की कमी के लक्षण, विटामिन डी अधिक होने के नुकसान के बारे में।

विटामिन डी की कमी के लक्षण

शरीर में विटामिन डी की कमी होने पर थकान और कमजोरी महसूस होती है। विटामिन डी की कमी से हड्डियों में दर्द, मांसपेशियों में दर्द और ऐंठन हो सकती है। घुटनों में भी दर्द की समस्या रहती है।

विटामिन डी की कमी को कैसे पूरा करें? विटामिन डी अन्य विटामिनों से अलग है। विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए आहार में बहुत ही कम विकल्प हैं। सूरज की रोशनी विटामिन डी की पूर्ति का बड़ा और प्रमुख स्त्रोत है। ये एक तरह का हार्मोन होता है, जो सूर्य की रोशनी पड़ने पर त्वचा से निकलता है। सर्दियों में धूप न निकलने पर विटामिन डी की कमी बढ़ सकती है। ऐसे में विटामिन डी की पूर्ति के लिए सूरज की रोशनी के अलावा विटामिन डी की गोलियों का सेवन कर सकते हैं लेकिन अधिक विटामिन डी की दवाओं का सेवन नहीं करना चाहिए।

विटामिन डी ज्यादा होने के नुकसान सूर्य के प्रकाश से विटामिन डी शरीर में ज्यादा नहीं होता लेकिन अगर आप विटामिन डी सप्लीमेंट का अधिक मात्रा में सेवन करते हैं तो शरीर में जरूरत से ज्यादा विटामिन डी बढ़ जाता है। ऐसा होने पर सबसे पहले आपको विटामिन डी की गोलियां लेने पर रोक लगा देनी चाहिए। शरीर में विटामिन डी बढ़ जाना या हाइपरविटामिनोसिस डी होना एक खतरनाक स्थिति है। ऐसा होने से शरीर को कई तरह के नुकसान हो सकते हैं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष राशि : नई प्रॉपर्टी खरीदने का योग मंगल की राशि मेष के जातकों को इस सप्ताह यात्राएं अधिक करना होंगी। बिजनेस, पारिवारिक या अन्य कारणों से आपको ट्रेवलिंग करना होगी। पारिवारिक जीवन के लिए यह सप्ताह अच्छा रहेगा। परिजनों से मतभेद समाप्त होंगे। आर्थिक लाभ मिलेगा।

वृषभ राशि : नकारात्मक लोगों से दूर रहें वृषभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह तनावों से मुक्ति दिलाने वाला रहेगा। माता-पिता की ओर से कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा। बुजुर्गों के स्वास्थ्य में भी सुधार आएगा। इस सप्ताह आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। धन आगमन से पुराना कर्ज चुकाने में सफल होंगे।

मिथुन राशि : प्रगाढ़ होंगे अंतरंग संबंध मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह आर्थिक मामलों में अद्भुत तरीके से सफलता मिलने वाली है। आय के पर्याप्त साधन प्राप्त रहेंगे और अनेक जगहों से पैसा आने की संभावना है। नए कार्य भी शुरू करेंगे और उनसे भी धन अर्जित करेंगे। भूमि, भवन, संपत्ति, वाहन, मशीनरी खरीदना चाहते हैं तो समय उत्तम है।

कर्क राशि : शत्रु सक्रिय हैं, सावधान रहें अपने राशि स्वामी कर्क के जातकों का स्वभाव इस सप्ताह कूल रहेगा। कुछ पुरानी परेशानियों का अंत होगा, लेकिन कुछ नई चुनौतियां भी आएंगी, लेकिन आप धैर्य से उनका सामना करने में कामयाब होंगे। सेहत के लिहाज से भी सप्ताह ठीक कहा जा सकता। पुराने रोगों से छुटकारा मिलेगा।

सिंह राशि : वैवाहिक जीवन में सुख प्राप्त होगा सिंह राशि के लिए यह सप्ताह सुखपूर्वक व्यतीत होने वाला है। पिछले सप्ताहों में जो भी परेशानियां आईं उनसे इस सप्ताह राहत महसूस होगी। अटके कार्य पूरे हो जाएंगे और आप एक सुखद भविष्य की ओर अग्रसर होने वाले हैं। आर्थिक संपन्नता के लिहाज से सप्ताह बेहतर है।

कन्या राशि : आर्थिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी कन्या राशि के जातकों को इस सप्ताह कुछ ऐसी स्थितियां जीवन में आएंगी जो आपको आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रतिष्ठित करने का काम करेंगी। बिजनेस से जुड़े लोगों के सामने अनेक प्रकार के अवसर और चुनौतियां आएंगी जिनसे पार पाने के लिए मेहनत करने की जरूरत होगी।

तुला राशि : लंबे समय से अटके काम बन जाएंगे इस सप्ताह तुला राशि के जातकों के कुछ ऐसे काम बन जाएंगे जिनके लिए आप लंबे समय से परेशान हो रहे थे। जिनके पास अब तक कोई रोजगार नहीं है, उन्हें बेहतरीन अवसर मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्य में तरक्की प्राप्त होगी, लेकिन स्थानांतरण भी हो सकता है।

वृश्चिक राशि : अपने काम पर फोकस करें वृश्चिक राशि वालों के लिए सप्ताह की शुरुआत शानदार तरीके से होने वाली है। पिछले सप्ताह किए गए कार्यों का परिणाम इस सप्ताह मिलने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में लाभ, कॅरियर में ऊंचाई और कारोबार में उम्मीद के अनुसार परिणाम प्राप्त होंगे। हालांकि इस दौरान आपको काम पर फोकस रखना होगा। कोई मार्ग से कितना भी भटकाने का प्रयास करें, आप तटस्थ रहें।

धनु राशि : सफलतादायक है सप्ताह धनु राशि के जातक इस सप्ताह खुश हो जाएं, क्योंकि आपको अपने प्रत्येक कार्य में सफलता मिलने वाली है। पारिवारिक और सामाजिक स्थिति में पद-प्रतिष्ठा, सम्मान में वृद्धि होगी। आय के एक से अधिक स्रोत प्राप्त रहेंगे। नए कार्य-व्यवसाय शुरू करेंगे और उनसे भी धन अर्जित करेंगे।

मकर राशि : आ रहे हैं तरक्की के अवसर मकर राशि के जातकों के लिए सप्ताह में तरक्की के अनेक अवसर आने वाले हैं। आप खुद को एक मजबूत आर्थिक स्थिति में खड़ा पाएंगे। जो काम आपके अब तक ठीक से नहीं चल रहे थे, उनमें अचानक तेजी आएगी और आप राहत महसूस करेंगे।

कुंभ राशि : थकानभरा रहेगा सप्ताह कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बेहद थकानभरा और उबाऊ रहेगा। स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी आ सकता है। इसलिए हर किसी पर क्रोध आएगा और इससे आपके संबंध लोगों से बिगड़ेंगे। इस सप्ताह कोई मित्र आपको धोखा दे सकता है। स्वास्थ्य के लिहाज से सप्ताह कमजोर है।

मीन राशि : भागदौड़ वाला रहेगा सप्ताह मीन राशि के व्यक्तियों के लिए यह सप्ताह दौड़भाग वाला रहेगा। पारिवारिक क्षेत्र, कार्य क्षेत्र आदि में भागदौड़ करना पड़ेगी। इससे मानसिक तनाव तो होगा ही, आर्थिक परेशानी भी महसूस होगी। बनते हुए काम अटक सकते हैं।

चॉकलेट डे, टेडी डे, हग डे और प्रोमिस डे जितने दिन सेलिब्रेट करना है कर लो.....याद रखना एक दिन कोई सरकारी नौकरी वाला केवल समोसा चटनी खिलाकर उसे उड़ा ले जाएगा।

पतिः जब मैं तुम पर चिल्लाता हूं तो तुम अपना गुस्सा कैसे निकालती हो?
पत्नीः टॉइलट साफ करके।
पतिः हाहाहाहा, बेवकूफ। वह कैसे?
पत्नीः टॉइलट आपके ब्रश से साफ करती हूं।

लड़काः तुम्हारा नाम क्या है?
लड़कीः तमन्ना।
लड़काः तुम्हारे पापा का नाम सरफरोशी है क्या?
लड़कीः क्यों?
लड़काः सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है।

बीबीसी पर कार्रवाई भाजपा सरकार का राजनीतिक प्रतिशोध : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को बीबीसी इंडिया के कार्यालयों पर आयकर विभाग के सर्वे को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया और आरोप लगाया कि यह भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का राजनीतिक प्रतिशोध है। बीबीसी द्वारा प्रधानमंत्री और 2002 के गुजरात दंगों पर दो-भाग वाला वृत्तचित्र इंडियाः द मोदी क्वेश्चन प्रसारित किए जाने के कुछ सप्ताह बाद आयकर विभाग की औचक कार्वाई हुई। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में अपने कक्ष में कहा, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। यह भाजपा सरकार की राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवा पार्टी मीडिया को नियंत्रित कर रही है। इस तरह की कार्वाइयां प्रेस की स्वतंत्रता को प्रभावित करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, एक दिन देश में मीडिया नहीं रहेगा। उन्होंने बताया कि वे (भाजपा नेता) लोगों के जनादेश की परवाह नहीं करते, उनका एकमात्र जनादेश तानाशाही है। वे हिटलर से भी आगे हैं। आयकर विभाग ने कथित कर अपवंचना की जांच के तहत दिल्ली और मुंबई में बीबीसी के कार्यालयों तथा दो अन्य संबंधित स्थानों पर मंगलवार को सर्वे ऑपरेशन शुरू किया था। सर्वे ऑपरेशन बुधवार को भी जारी है।

शिवराज चौहान ने की भोपाल से सिंगरौली विंध्य एक्सप्रेस-वे बनाने की घोषणा

रीवा ही नहीं संपूर्ण विंध्य, बघेलखंड विकास की उड़ान भरने के लिए तैयार

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विन्ध्य और बघेलखंड आज विकास की उड़ान के लिए तैयार है। विन्ध्य क्षेत्र का वर्षों पुराना सपना आज साकर होने जा रहा है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया और केन्द्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का आभार माना, जिनके प्रयासों से रीवा में हवाई अड्डा के निर्माण का कार्य शुरू हुआ। मुख्यमंत्री चौहान रीवा में चोरहटा हवाई अड्डा का शिलान्यास कर महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री चौहान ने 747 करोड़ रूपये की लागत के 32 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। इसमें 603 करोड़ रूपये के 17 कार्यों का भूमि-पूजन और 144 करोड़ रूपये के 15 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये। मुख्यमंत्री चौहान ने रीवा जिले की विकास पुस्तिका तथा औद्योगिक निवेश के लिए चलाये जा रहे रीवा

चलो अभियान के लोगो का अनावरण भी किया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि हवाई अड्डा खुलाने के बाद विन्ध्य क्षेत्र विकास की नई ऊँचाईयों को छूयेगा। क्षेत्र में पहले से ही सड़कों का जाल बिछा है। विन्ध्य में उद्योग के लिये आपार संभावनाएँ हैं और रोजगार के नये अवसर भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में इंदौर में संपन्न इन्वेस्टर मीट में इंदौर के बाद सर्वाधिक विन्ध्य क्षेत्र के लिए 2 लाख 88 हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। यह रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य के लिए बड़ी सौगात है। इस निवेश से क्षेत्र के एक लाख 50 हजार से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने विन्ध्य एक्सप्रेस-वे के निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि भोपाल से सागर, दमोह, सतना, रीवा, सीधी होते हुए सिंगरौली तक यह एक्सप्रेस-वे बनाया जायेगा। इसके दोनों ओर औद्योगिक क्षेत्र का विकास किया जायेगा, जिससे नौजवानों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार ने विन्ध्य को सबसे बड़े सोलर प्लांट और बाणसागर बांध का उपहार दिया है। अब विन्ध्य का किसान फसल उत्पादन में पंजाब को भी पीछे छोड़ देगा। स्लीमनाबाद में टनल बना कर नर्मदा मैया का पानी विन्ध्य क्षेत्र में पहुँचाने का काम जारी है। स्व. माधव राव सिंधिया ने रेलवे का उपहार दिया था। ललितपुर सिंगरौली रेलवे लाइन का काम तेजी से किया जा रहा है। अब उनके बेटे केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रीवा को एयरपोर्ट का उपहार दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में अब तीर्थ-यात्रियों को हवाई जहाज से यात्रा करायेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने महिला सम्मेलन में शामिल बहनों से राखी बधवाई। महिलाओं ने मुख्यमंत्री को राखी के उपहार और धन्यवाद की पाती दी। महिलाओं के स्वागत से अभिभूत मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जहाँ नारियों का सम्मान होता है वहीं देवताओं का वास होता है। योजनाओं में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी गई है। महिला सशक्त होगी तो परिवार, समाज और देश भी सशक्त होगा।

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की हवा खराब होने का खतरा बढ़ा

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में परिवहन, निर्माण और उद्योगों की तेज गतिविधियों से वायु प्रदूषण की बढ़ती चुनौतियों को लेकर विशेषज्ञों ने बुधवार को चिंता जताई। विशेषज्ञों ने कहा कि शहर में वायु प्रदूषण की रोकथाम के प्रयासों को तेज किए जाने की आवश्यकता है ताकि हालात को बिगड़ने से रोका जा सके। गौरतलब है कि हवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए काम करने वाले वैश्विक गठजोड़ क्लीन एयर कैटलिस्ट ने अपनी एक परियोजना के लिए जकार्ता (इंडोनेशिया), नैरोबी (केन्या) के साथ ही इंदौर को चुना है। क्लीन एयर कैटलिस्ट के एक अधिकारी ने बताया कि इस परियोजना के तहत भारत के सबसे स्वच्छ शहर में तीन वायु प्रदूषण निगरानी केंद्र शुरू किए गए हैं जो पीएम 2.5, कार्बन मोनोऑक्साइड और ब्लैक कार्बन सरीखे प्रदूषक तत्वों के आंकड़े लगातार दर्ज करेंगे। क्लीन एयर कैटलिस्ट से जुड़े एन्वायर्नमेंटल डिफेंस फंड (ईडीएफ) के भारत में मुख्य सलाहकार हिषम मंडल ने पीटीआई-भाषा को बताया, इंदौर दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में शामिल नहीं है, लेकिन यह वायु गुणवत्ता के लिहाज से दुनिया के सबसे साफ शहरों में से एक भी नहीं है। उन्होंने कहा कि इंदौर में परिवहन, निर्माण और उद्योगों की तेज गतिविधियों से हवा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। मंडल ने बताया कि क्लीन एयर कैटलिस्ट की परियोजना के तहत शहर में अगले दो सालों तक वायु प्रदूषण के आंकड़ों का अध्ययन किया जाएगा और इसके बाद स्थानीय प्रशासन को उचित समाधान प्रदान किया जाएगा। क्लीन एयर कैटलिस्ट से जुड़े पर्यावरण जानकार डॉ. दिलीप वाघेला के मुताबिक इंदौर में वायु प्रदूषण की चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, इंदौर में खासकर सर्दियों के मौसम और हवा नहीं बहने के दौरान पीएम 10 और पीएम 2.5 जैसे प्रदूषक कणों की मात्रा बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि सघन आबादी वाले इंदौर की अधिकांश सड़कें ज्यादा चौड़ी नहीं हैं, जबकि इन पर वाहनों का घनत्व बहुत ज्यादा है। वाघेला ने बताया, शहर की आबादी 38 से 40 लाख के बीच है, जबकि वाहनों की तादाद 18 से 20 लाख के बीच आंकी जाती है। यानी शहर के हर दो व्यक्तियों पर एक वाहन है। यह अनुपात संभवतः पूरे भारत में सबसे ज्यादा है। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि शहर में यातायात और हवा की गुणवत्ता की समस्याएं सुंदर चांद पर दाग की तरह हैं।

अहमदाबाद-सूरत सेक्शन में कुछ ट्रेनों के आगमन प्रस्थान के समय में बदलाव

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए अहमदाबाद-सूरत सेक्शन में अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा स्टेशनों पर कुछ ट्रेनों के आगमन प्रस्थान के समय में बदलाव किया जा रहा है। जिसका विवरण इस प्रकार है ट्रेन संख्या 20910 पोरबंदर-कोचुवेली एक्सप्रेस का 23 फरवरी 2023 से आगमन - प्रस्थान का समय अहमदाबाद स्टेशन पर 03.05/03.15 बजे की बजाय 03.05/03.10 बजे, आणंद स्टेशन पर 04.18/04.20 बजे की बजाय 04.13/04.15 बजे तथा वडोदरा स्टेशन पर 04.58/05.08 बजे की बजाय 05.01/05.11बजे रहेगा। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 22956 भुज-बांद्रा टर्मिनस कच्छ एक्सप्रेस का 23 फरवरी 2023 से वडोदरा स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान का समय 04.48/04.53 बजे की बजाय 04.45/04.50 बजे रहेगा। ट्रेन संख्या 19578 जामनगर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस ट्रेन का 24 फरवरी 2023 से आगमन-प्रस्थान का समय अहमदाबाद स्टेशन पर 03.05/03.15 की बजाय 03.05/03.10 बजे तथा वडोदरा स्टेशन पर 04.58/05.08 बजे की बजाय 05.01/05.11 बजे रहेगा। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मालगाड़ियों के अनुरक्षण और परिचालन में सुधार की दिशा में पू. सी. रेल ने हासिल कीं प्रमुख उपलब्धियां

पू. सी. रेल के यांत्रिक विभाग ने वर्ष 2022 - 23 (दिसंबर, 2022 तक) में दक्षता और संरक्षा के लिए फ्रेट परिचालन की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। ये उपलब्धियां पू. सी. रेल के कार्यबल के पर्यालोचन, निरंतर और संबंधित प्रयासों से संभव हुई हैं। दिसंबर, 2022 तक कुल बिगड़े हुए वैगनों की संख्या 2.4प्र. था, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 3.4व्र की तुलना में अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। इसके कारण परिवहन के लिए वैगनों की उपलब्धता में वृद्धि हुई है। परीक्षण के दौरान, अधिकतम मरम्मत के साथ-साथ परीक्षण प्वाइंटों पर अतिरिक्त बैच उपलब्ध करने पर जनशक्ति के पुनर्वितरण से यह लंबी छलांग हासिल की गयी। इसके

अलावा, दिसंबर, 2022 तक 3043 वैगनों की रूटीन ओवरहॉलिंग (आरओएच) की गई, जबकि इसी अवधि के दौरान पिछले वर्ष का आंकड़ा 2901 था। वर्तमान में, पू. सी. रेल अपने जोन के अधीन आने वाले सभी फ्रेट वैगनों पर आरओएच करने हेतु अपना बुनियादी ढांचा मजबूत करने में जुटा है। पू. सी. रेल दिसंबर, 2021 में 14 क्लोज सर्किट रेकों की तुलना में दिसंबर, 2022 में 29 रेकों का अनुरक्षण कर रहा है। क्लोज सर्किट रेकों की बढ़ती संख्या के परिणामस्वरूप ट्रैफिक लोडिंग के लिए वैगनों की उपलब्धता में सुधार हुआ है। दिसंबर, 2022 तक ब्रेक पावर सर्टिफिकेट जारी करने के लिए मालगाड़ी के रेकों का औसत यार्ड परीक्षण समय 3:47 घंटा था, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान यह 4:16 घंटा था। परीक्षण के लिए क्लोज सर्किट रेक की बढ़ती संख्या, प्रीमियम परीक्षण और अधिक मरम्मत के बावजूद यह उपलब्धि हासिल किया गया। न्यू जलपाईगुड़ी और न्यू गुवाहाटी के परीक्षण यार्डों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था और वेल्डिंग व्यवस्था के साथ-साथ चौड़े मार्गों के प्रावधान ने अनुरक्षण व्यवस्था को सुविधाजनक बनाया। मालगाड़ी परिचालन को और अधिक मजबूत करने के लिए कई बुनियादी ढांचे के कार्यों और नये पहलों को मंजूरी दी गई है। प्रमुख परीक्षण प्वाइंटों में सिक लाइन क्षमता में वृद्धि और आवश्यक सहायक व्यवस्थाओं के साथ मार्गों को चौड़ा करना, नई माल ढुलाई परीक्षण सुविधाओं का विकास, नए आरओएच शेड आदि कुछ ऐसे कार्य हैं, जिसकी योजना बनाई गई है। बेहतर टर्मिनल हैंडलिंग सुविधा और सभी स्तरों पर अनुरक्षण प्रयासों एवं निरंतर निगरानी के कारण गतिशीलता में सुधार के परिणामस्वरूप माल ढुलाई में वृद्धि हुई और बेहतर परिचालन हुआ।

पश्चिम रेलवे ने 4 जोड़ी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित किए

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी मांग को पूरा करने के लिए 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विशेष किराए पर समान संरचना, समय और मार्ग पर विस्तारित किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है ट्रेन संख्या 02200 बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी) साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल (प्रत्येक शनिवार) को 1 जुलाई, 2023 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 02199 वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी)-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल (प्रत्येक गुरुवार) को 29 जून, 2023 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 01906 अहमदाबाद-कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल (प्रत्येक मंगलवार) को 27 जून, 2023 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 01905 कानपुर सेंट्रल-अहमदाबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल (प्रत्येक सोमवार) को 26 जून, 2023 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 04166 अहमदाबाद-आगरा कैंट साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल (प्रत्येक गुरुवार) को 29 जून, 2023 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 04165 आगरा कैंट-अहमदाबाद साप्?ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल (प्रत्येक बुधवार) को 28 जून, 2023 तक विस्तारित किया गया है। उन्होंने ट्रेन संख्या 04168 अहमदाबाद-आगरा कैंट साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल (प्रत्येक सोमवार) को 26 जून, 2023 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 04167 आगरा कैंट-अहमदाबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल (प्रत्येक रविवार) को 25 जून, 2023 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 02200, 01906, 04166 और 04168 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 17 फरवरी, 2023 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

कर्नाटक के मंत्री के सिद्धरमैया को निशाना बनाते हुए टीपू का उल्लेख करने पर विवाद

सिद्धरमैया ने सवाल किया कि क्या गुजरात भाजपा की संस्कृति कर्नाटक भाजपा में भी समा गई है?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धरमैया ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के मंत्री सी एन अश्वथ नारायण पर लोगों को उन्हें मार डालने के लिए उकसाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। सिद्धरमैया ने नारायण के इस बयान पर आपत्ति जताई कि उनका (सिद्धरमैया का) 18वीं सदी के तत्कालीन मैसूरु साम्राज्य के शासक टीपू सुल्तान की तरह परास्त कर उनके जैसा ही अंजाम होना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई से नारायण को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करके उनके खिलाफ तुरंत कार्वाई शुरू करने का आग्रह किया। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सिद्धरमैया, नारायण द्वारा मांड्या में हाल में की गई उस टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने, उन्हें (सिद्धरमैया) निशाना बनाया था। नारायण ने कहा था, टीपू का बेटा सिद्धारमैया आएगा आप टीपू को चाहते हैं या सावरकर को? हमें टीपू सुल्तान को कहां भेजना चाहिए? उरी गौड़ा और नांजे गौड़ा ने क्या किया? उसी तरह उन्हें भी बाहर कर दिया जाना चाहिए और भेज दिया जाना चाहिए। पुराने मैसूर क्षेत्र में एक वर्ग का दावा है कि टीपू की मृत्यु अंग्रेजों से लड़ते हुए नहीं हुई थी, बल्कि उन्हें दो वोक्कालिगा सरदारों उरी गौड़ा और नांजे गौड़ा द्वारा मारा गया था। हालांकि कुछ इतिहासकार इससे असहमति जताते हैं। नारायण ने कहा कि उनका बयान व्यक्तिगत रूप से सिद्धारमैया के संबंध में नहीं था और यदि कांग्रेस विधायक दल के नेता आहत हुए हैं, तो वह खेद व्यक्त करेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका मतलब केवल चुनावी रूप से हराना है और कोई शारीरिक नुकसान पहुंचाना नहीं है, जैसी कि गलत व्याख्या की जा रही है। सिद्धरमैया ने कहा, उच्च शिक्षा मंत्री अश्वथ नारायण ने लोगों से उसी तरह मुझे भी मार डालने की अपील की है कि जिस तरह टीपू को मारा गया था। अश्वथ नारायण, आप लोगों को भड़काने की कोशिश क्यों कर रहे हैं? खुद ही बंदूक ले आओ। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कई ट्वीट में मंत्री के खिलाफ कोई कार्वाई नहीं किए जाने पर आश्चर्य व्यक्त किया जिन्होंने लोगों से मारने की खुले तौर पर अपील की है। सिद्धरमैया ने कहा कि इससे पता चलता है कि बोम्मई, गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र और उनका अक्षम कैबिनेट सो रहा है और अश्वथ नारायण की बात से सहमति रखता है।

बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई से लोगों की निजी जिंदगी में मची तबाही : गुवाहाटी उच्च न्यायालय

बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई में बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किए जाने पर टिप्पणी करते हुए गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने कहा है कि इससे लोगों के निजी जीवन में तबाही मची है और ऐसे मामलों में आरोपियों से हिरासत में पूछताछ की कोई जरूरत नहीं है। अदालत ने बाल विवाह के आरोपियों पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो) और बलात्कार के आरोप जैसे कड़े कानून लगाने के लिए असम सरकार को फटकार भी लगाई और कहा कि ए बिल्कुल विचित्र आरोप हैं। अग्रिम जमानत और अंतरिम जमानत के लिए आरोपियों के

एक समूह की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सुमन श्याम ने सभी याचिकाकर्ताओं को तत्काल प्रभाव से जमानत पर रिहा करने की अनुमति दी। न्यायमूर्ति ने कहा, ए हिरासत में पूछताछ के मामले नहीं हैं। आप (राज्य) कानून के अनुसार आगे बढ़ें, हमारे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने बताया अगर आप किसी को दोषी पाते हैं, तो आरोपपत्र दायर करें। उसे मुकदमे का सामना करने दीजिए और अगर वह दोषी ठहराया जाता है तो उसे दोषी ठहराइए नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस), तस्करी या चोरी की गई संपत्ति से संबंधित मामले नहीं हैं। उन्होंने मंगलवार को कहा, यह (गिरफ्तारी) लोगों के निजी जीवन में तबाही मचा रही है। बच्चे हैं, परिवार के सदस्य हैं, बूढ़े लोग हैं। यह (गिरफ्तारी) किया जाना एक अच्छा विचार नहीं हो सकता है। जाहिर है कि यह एक बुरा विचार है। चौदह फरवरी तक बाल विवाह के 4,225 मामले दर्ज हुए हैं और इनमें कुल 3,031 लोगों को पकड़ा गया है। यह कार्वाई तीन फरवरी को 4,004 प्राथमिकियों के साथ शुरू हुई थी। न्यायमूर्ति श्याम ने अतिरिक्त लोक अभियोजक डी दास से कहा कि राज्य सरकार के पास जेलों में जगह तक नहीं है। उन्होंने प्रशासन को बड़ी जेलें बनाने का सुझाव दिया। जब सरकारी वकील ने बताया कि पॉक्सो अधिनियम और बलात्कार (आईपीसी धारा 376) के तहत गैर-जमानती आरोपों के तहत मामले दर्ज किए गए हैं, तो न्यायमूर्ति श्याम ने कहा, यहां पॉक्सो क्या है? सिर्फ इसलिए कि पॉक्सो जोड़ा गया है।

छत्तीसगढ़ *भिलाई में सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर सुविधा सहित बीपीओ खोले जाएंगे : बघेल*

निकाय विकास कार्यों के लिए एक हजार करोड़ रु. की घोषणा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बुधवार को राज्य के नागरिकों को एक हजार करोड़ रूपये के विकास कार्यों की महत्वपूर्ण सौगात दी । मुख्यमंत्री ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के गौरव समागम-2023 में शामिल होते हुये कहा कि हमारी सरकार में नागरिकों को घर बैठे ही सुविधाएं मिल रहीं है । इसके साथ ही सभी नगरीय निकायों ने नागरिक सुविधाओं को बेहतर किया है । उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राशनकार्ड बनाने में सुधार किया है। आज सभी का राशनकार्ड आसानी से बन जाता है। पहले भवन अनुज्ञा लेने में बहुत मुश्किल होती थी लेकिन अब इसका सरलीकरण किया गया है। मुख्यमंत्री मितान योजना के तहत घर बैठे ही

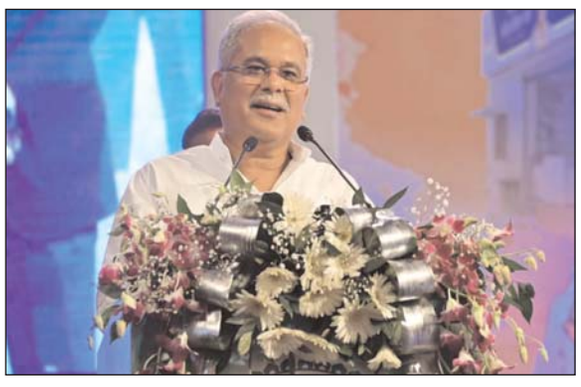

15 प्रकार की सेवाएं मिल रही हैं । मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुये कहा कि युवाओं के रोजगार हेतु रायपुर एवं भिलाई में सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर सुविधा सहित बीपीओ खोले जाएंगे । छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा हेतु भिलाई में 20 करोड़ की लागत से विश्वस्तरीय सेंट्रल लाइब्रेरी की घोषणा की जिसमें बीपी, सुगर, ब्लड टेस्ट की निःशुल्क सुविधा मिलेगी । मुख्यमंत्री ने शहरों के मार्केट एरिया में सीसीटीवी, आधुनिक शौचालय और विकास व्यवस्था की घोषणा करते हुये कहा कि जनप्रतिनिधियों की मांग पर नगरीय निकायों की चुंगी क्षतिपूर्ति राशि को 26 रुपये से बढ़ाकर 35 रुपये किया जायेगा । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी नगरीय निकायों को विकास कार्यों हेतु लगभग 1 हजार करोड़ रूपये राशि देने की घोषणा की । नगर निगम रायपुर को 100 करोड़, बिलासपुर नगर निगम को 50 करोड़, दुर्ग नगर निगम को 25 करोड़, भिलाई-चरौदा, जगदलपुर को 20-20 करोड़, रिसाली, राजनांदगांव, रायगढ़ एवं कोरबा को 15-15 करोड़, बिरगांव, धमतरी एवं चिरमिरी कम रीडिंग ज़ोन बनाया जायेगा । मुख्यमंत्री ने रीपा की तर्ज पर सभी नगर निगम और नगर पालिकाओं में अर्बन कॉटेज और सर्विस इंडस्ट्रीज पार्क खोलने की घोषणा की । नागरिकों की स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा हो इसके लिये उन्होंने नगर निगमो में स्मार्ट हेल्थ कियोस्क बनाने को 10-10 करोड़ की राशि देने की घोषणा की। इसके साथ ही सभी नगर पालिकाओं को 5-5 करोड़ और सभी नगर पंचायतों को 3-3 करोड़ रूपये देने की घोषणा की । मुख्यमंत्री ने रायपुर, भिलाई और बिलासपुर में शहरी महिला आजीविका केंद्र ,रायपुर शहर के जल भराव वाले क्षेत्रों में ड्रेनेज सिस्टम ,भूमि विकास नियम का सरलीकरण में महात्मा गांधी स्टेडियम का उन्नयन, सड़क निर्माण एवं सौंदर्यीकरण की घोषणा की । गौरव समागम समारोह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री शिवकुमार डहरिया ने कहा कि विगत 4 वर्षों में नगरीय निकाय क्षेत्र में मूलभूत सुविधा सड़क, पानी, बिजली और सफाई के क्षेत्र में बेहतर कार्य और व्यवस्था में सुधार किया गया है।

'महाशिवरात्रि मेला' हेतु जुनागढ़-राजकोट व जूनागढ़-कांसीया नेश के बीच विशेष ट्रेन

कई गाड़ियों में अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे

भावनगर मंडल के जूनागढ़ में प्रति वर्ष महाशिवरात्री मेला आयोजित किया जाता है। भावनगर डिविजन के सीनियर डीसीएम माशूक अहमद के अनुसार महाशिवरात्री मेला से संबंधित भीड़ को ध्यान में रखते हुए, इस दौरान ट्रेनों में होने वाली भीड़ को ध्यान में रखकर इस मेले में जा रहे यात्रियों की सुविधा के लिए रेल प्रशासन द्वारा जुनागढ़-राजकोट तथा जुनागढ़-कांसीया नेश के बीच विशेष ट्रेन चलायी जाएगी तथा कई गाड़ियों में अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे, जिसका विवरण निम्नानुसार है जुनागढ़-राजकोट-जुनागढ़ मेला स्पेशल ट्रेन जुनागढ़ से राजकोट के लिए 15.02.2023 से 21.02.2023 तक (16.02.2023 और 20.02.2023 को छोड़कर) मेला स्पेशल ट्रेन चलायी जाएगी। उपरोक्त दिनों में यह विशेष ट्रेन राजकोट से सुबह 10.40 बजे चलेगी तथा जुनागढ़ स्टेशन पर दोपहर में 12.45 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार यह ट्रेन जुनागढ़ से 15.30 बजे चलेगी तथा राजकोट 17.55 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में वडाल, चोकी सोरठ, जेतलसर, नवागढ़, विरपुर, गोमटा, गोंडल, रीबडा, रायका एवं भक्तिनगर स्टेशनों पर रूकेगी। जुनागढ़-कांसीया नेश-जुनागढ़ मेला स्पेशल ट्रेन जुनागढ़ से कांसीया नेश के लिए 15.02.2023 से 21.02.2023 तक मेला स्पेशल ट्रेन चलायी जाएगी। उपरोक्त दिनों में यह विशेष ट्रेन जुनागढ़ से सुबह 11.10 बजे चलेगी तथा कांसीया नेश स्टेशन पर दोपहर में 13.20 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार यह ट्रेन कांसीया नेश से 13.40 बजे चलेगी तथा जुनागढ़ 16.00 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में दोनों दिशाओं में तोरणीया, बिलखा, जूनी चावंड विसावदर एवं सताधार स्टेशनों पर रूकेगी। अतिरिक्त कोच - उपलब्धता अनुसार 15.02.2023 से लेकर 21.02.2023 तक ट्रेन नंबर 19119/19120 सोमनाथ-अहमदाबाद-सोमनाथ एक्सप्रेस, 09513/09514 वेरावल-राजकोट-वेरावल पैसेन्जर, 19207/19208 पोरबंदर-सोमनाथ-पोरबंदर एक्सप्रेस एवं 09522/09521 सोमनाथ-राजकोट-सोमनाथ पैसेन्जर में अतिरिक्त कोच लगाये जाएंगे।

SPORTS खेल जगत

मनु गंडास ने अंडर पार का कार्ड खेला, संयुक्त 7वें स्थान पर

चोनबुरी (थाईलैंड)। भारतीय गोल्फर मनु गंडास ने गुरूवार को यहां 2023 थाईलैंड क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट मे एक अंडर 71 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 70वे स्थान पर चल रहे है। डीपी वर्ल्ड टूर मे अपने पहले सत्र मे खेल रहे गंडास के अलावा हमवतन शुभंकर शर्मा ने तीन ओवर 75 का खराब कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 123वे स्थान पर चल रहे है। शुभंकर को अगर कट मे जगह बनानी है तो उन्हे दूसरे दौर मे अच्छा कार्ड खेलना होगा।

स्नेहा ने प्रो टूर पर पहला खिताब जीता

कोलकाता। स्नेहा सिंह ने हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के तीसरे चरण मे शानदार प्रदर्शन करते हुए बतौर पेशेवर खिलाड़ी पहली बार खिताब जीता। दिन की शुरूआत मे जैसमीन शेखर से दो शॉट से पिछड़ रही स्नेहा बाद मे पांच शॉट से पीछे हो गई लेकिन टर्न के बाद उन्होने लगातार चार बर्डी लगाकर अंतर कम किया। जैसमीन दो होल बाकी रहते भी स्नेहा से आगे थी और उन्हे दो पार स्कोर की जरूरत थी। वह हालांकि दबाव मे आ गई और खिताब से चूक गई। अमैच्योर सानवी सोमू तीसरे स्थान पर रही।

होप और पावेल होंगे वेस्टइंडीज के कप्तान

सेंट जोंस (एंटीगा)। शाई होप को वेस्टइंडीज की एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम का और रोवमैन पावेल को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया। निकोलस पूरन के आस्ट्रेलिया मे हुए टी20 विश्व कप मे वेस्टइंडीज टीम के जल्दी बाहर होने के बाद दोनो टीमो की कप्तानी छोड़ दी थी जिससे दोनो पद खाली थे और बुधवार को होप और पावेल की नियुक्तियो की घोषणा की गई।

तमिलनाडु और महाराष्ट्र की महिला सीनियर राष्ट्रीय हॉकी में विशाल जीत

काकिनाडा (आंध्र प्रदेश)। तमिलनाडु और महाराष्ट्र ने 13वी हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप मे पुडुचेरी और अंडमान निकोबार पर विशाल अंतर से जीत दर्ज की। महाराष्ट्र ने पुडुचेरी को 7-0 से हराया जबकि पूल एच के दूसरे मैच मे तमिलनाडु ने अंडमान निकोबार को 32 -0 से मात दी। शुक्रवार को पूल ए मे ओडिशा का सामना केरल से और मध्यप्रदेश का तेलंगाना से होगा। अन्य मैचो मे हिमाचल पूल एफ मे गुजरात से और आंध्र प्रदेश पूल ई मे बंगाल से खेलेगा।

चित्रवेल ने क्यूबाई कोच की ट्रेनिंग को दिया श्रेय

नई दिल्ली। हाल मे कजाखस्तान मे एशियाई इंडोर चैम्पियनशिप मे रजत पदक जीतने वाले त्रिकूद एथलीट प्रवीण चित्रवेल को अपने क्यूबाई कोच योआंद्री बेटांजोस के त्रिकूद ट्रेनिंग के तरीको से काफी फायदा हुआ जो मौखिक निर्देशो के बजाय वास्तव मे कूद लगाकर अपने शिष्यो को सिखाते है।

शॉर्ट गेंद खेलना पसंद करती हैं शेफाली, ऋचा : हरमनप्रीत

केप्टाउन। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और ऋचा घोष ने भले ही कुछ दिग्गज खिलाड़ियो की तरह पारंपरिक तरीके से ट्रेनिंग नही ली हो लेकिन वे शॉट मे प्रयोग से टीम की मदद कर रही है। हरमनप्रीत ने कहा कि दोनो युवा खिलाड़ियो ने शार्ट गेद खेलने का लुत्फ उठाया।

सौराष्ट्र ने बंगाल पर दबाव बनाया

● रणजी : उनादकट और सकारिया की उम्दा गेंदबाजी

उनादकट

सकारिया

तीन दशक से अधिक समय बाद रणजी ट्रॉफी जीतने की बंगाल की उम्मीदों को करारा झटका देते हुए तेज गेंदबाजों जयदेव उनादकट और चेतन सकारिया ने फाइनल मैच के पहले ही दिन बृहस्पतिवार को सौराष्ट्र का पलड़ा भारी कर दिया। बंगाल की टीम पहले दिन ही 174 रन पर आउट हो गई। स्पिन हरफनमौला शाहबाज अहमद (69) और विकेटकीपर अभिषेक पोरेल (50) अगर अर्धशतक नहीं जमाते तो बंगाल की स्थिति और खराब होती। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी करके सौराष्ट्र के गेंदबाजों को करीब चार घंटे तक परेशान किया। बाएं हाथ के स्पिनर धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने दोनों को पवेलियन भेजा। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर सौराष्ट्र ने दो विकेट पर 81 रन बना लिए थे और वह बंगाल से 93 रन पीछे था। फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज हार्विक देसाई (38) और सकारिया (दो) क्रीज पर थे। सौराष्ट्र ने जय गोहिल (छह) और विश्वराज जडेजा (25) के विकेट गंवा दिए। वहीं टेस्ट टीम से रिलीज किए जाने के बाद वापसी कर रहे उनादकट ने 44 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने पहले स्पैल में पांच ओवर में सात रन देकर दो विकेट चटकाए थे। सकारिया ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए। पहले आधे घंटे के खेल में ही बंगाल के चार बल्लेबाज पवेलियन में थे जब स्कोर बोर्ड पर 17 रन टंगे थे। बंगाल की आधी टीम सवा घंटे के भीतर 34 के स्कोर पर आउट हो चुकी थी। सौराष्ट्र के तीसरे तेज गेंदबाज चिराग जानी ने भी दो विकेट लिए। इससे पहले उनादकट ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जो उन्होंने और सकारिया ने सही साबित कर दिखाया। बंगाल के बल्लेबाज गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर आउट होते चले गए। पारी की पांचवीं गेंद पर ही उनादकट ने अभिमन्यु ईश्वरन को आउट किया। फाइनल के जरिए पदार्पण कर रहे सुमंत गुप्ता भी दबाव नहीं झेल सके और एक रन बनाकर आउट हो गए। सकारिया ने सुदीप कुमार घारामी को दो गेंद बाद आउट किया। मेजबान कप्तान मनोज तिवारी को उनादकट ने एक के स्कोर पर गली में लपकवाया। इस सत्र में बंगाल के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले अनुस्तूप मजूमदार भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। पांच विकेट जल्दी गिरने के बाद शाहबाज और पोरेल ने पारी को संभालने की कोशिश की और टीम को शर्मनाक स्कोर पर सिमटने से बचाया।

तिवारी को पहली पारी की बढ़त का भरोसा, कहा सौराष्ट्र को जल्दी समेट सकते हैं दूसरे दिन

कोलकाता। बंगाल के बल्लेबाजो के खराब प्रदर्शन से सौराष्ट्र को भले ही गुरूवार को शुरूआती दिन फायदा मिला हो लेकिन घरेलू टीम के कप्तान मनोज तिवारी ने दावा किया कि उनके गेंदबाज शुक्रवार को पहले घंटे के खेल मे मेहमान टीम को 60 और रन जोड़ने के बाद समेट सकते है। तिवारी ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद पत्रकारो से कहा, मै हमेशा खिलाड़ियो से कहता हूं, हमे सिर्फ आठ विकेट चटकाने वाली गेद चाहिए। आपको इसके लिए 20 ओवर भी लग सकते है और यह महज पांच ओवर मे भी हो सकता है। लेकिन महत्वपूर्ण है कि रन नही गंवाए जाएं। कल पहले घंटे का स्पैल बससे महत्वपूर्ण होगा। इसमे कोई सवाल नही उठता कि हम उन्हे कल 60 रन के अंदर समेट सकते है। यह बस भरोसा करने की बात है, हम ऐसा कर सकते है। यह बस मैदान पर रणनीति लागू करने की बात है। बंगाल के तेज गेंदबाजो मे अनुशासन की कमी दिखी जिससे उन्होने सौराष्ट्र के बल्लेबाजो को शुरू मे काफी रन लुटा दिए। तिवारी ने कहा कि वे भले ही फाइनल मे खेलने की उम्मीदो से डगमगा गए हो। हमारी गेंदबाजी मे अनुशासन की कमी थी। वे ही बता सकते है कि वे दबाव मे आ गए थे, लेकिन बल्लेबाज भी नही चल सके। हां, पहले दिन का खेल निराशाजनक रहा लेकिन हमे भरोसा है कि हम वापसी करेंगे। इस अनुभवी कप्तान ने कहा, हमने लीग चरण मे भी काफी बार वापसी की है। हमने चर्चा की है और अब इसे अमल करने की बात है। अगर हम सही लाइन एवं लेथ मे गेंदबाजी करते है तो हम निश्चित रूप से वापसी कर सकते है। अंतिम गेंद तक भी उम्मीद रहती है।

नीचे की ओर आती उछाल बनी बल्लेबाजों की परेशानी : कमिंस

आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने स्वीकार किया कि आस्ट्रेलिया की उछालभरी पिचों पर गेंदबाजी के अभ्यस्त नाथन लियोन समेत उनके स्पिनर भारतीय पिचों पर नीचे की ओर उछाल के कारण उतने प्रभावी साबित नहीं हो पा रहे हैं। आस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले स्पिनर टॉड मरफी ने पहले टेस्ट में सात विकेट लिए लेकिन लियोन को एक ही विकेट मिला। वहीं भारत के रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा ने आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को तहस नहस करके भारत को एक पारी और 132 रन से जीत दिलाई। कमिंस ने दूसरे टेस्ट से पूर्व कहा , पिछले मैच में हमने देखा कि गेंद नीचे की ओर उछाल ले रही है जिससे गेंदबाजी तकनीक में बदलाव करना पड़ा। करीबी क्षेत्ररक्षकों को कभी लगा ही नहीं कि गेंद उछलकर आएगी क्योंकि उछाल थी ही नहीं। इसमें कोण बदलकर गेंदबाजी करने की जरूरत थी। मुझे लगता है कि गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। थोड़ा सा बदलाव करने से प्रदर्शन और बेहतर होगा। भारत के पश्चिमी हिस्सों में पिच लाल मिट्टी पर बनी होती है जबकि उत्तर भारत में काली मिट्टी है। कमिंस ने कहा कि मिट्टी का रंग भले ही बदल गया है लेकिन पिच में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। मुझे नहीं लगता। यहां मिट्टी अलग है लेकिन पिच एक सी लग रही है। यह स्पिनरों की मददगार होगी। देखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरे टेस्ट में अनुभवी एश्टोन एगर और बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुनेमन को मौका मिल सकता है। हमने दोनों विकल्प खुले रखे हैं। हमें यहां अच्छे प्रदर्शन का यकीन है। दोनों ने पिछले कुछ सत्रों में काफी अभ्यास किया और तीसरे स्पिनर के लिए इनमें से एक को उतारा जा सकता है। आस्ट्रेलियाई कप्तान ने यह भी कहा कि सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को जवाबी हमले करने होंगे क्योंकि ऐसे में ही वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। यह पूछने पर कि क्या वॉर्नर को उतारा जाएगा, उन्होंने कहा , मैं चयनकर्ता नहीं हूं। मुझे नहीं लगता कि उनकी कोई बैठक हुई है लेकिन मुझे यकीन है कि वॉर्नर खेलेगा।

नागपुर टेस्ट से हेड को बाहर किए जाने से अब भी हैरानी में हैं बॉर्डर

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर एलेन बॉर्डर को अब भी यह समझ नही आ रहा कि मध्यक्रम बल्लेबाज ट्रेविस हेड को नागपुर मे भारत के खिलाफ अंतिम एकादश से बाहर क्यो रखा गया था जिसमे उन्हे तीन दिन मे पारी और 132 रन से हार का सामना करना पड़ा था। हेड 2021-22 एशेज श्रृंखला के बाद से शानदार फॉर्म मे है। आस्ट्रेलिया ने पांच टेस्ट मैचो की यह श्रृंखला 4-0 से जीती थी जिसमे उन्हे प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। वह हाल मे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचो की श्रृंखला के दौरान दूसरे सबसे ज्यादा रन जुटाने वाली खिलाड़ी रहे थे। इसमे आस्ट्रेलिया ने 2-0 से जीत हासिल की थी।

नेपाल ने भारतीय महिला टीम से मैत्री मैच में 2-2 से ड्रा खेला

नेपाल ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पहले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में भारतीय महिला फुटबॉल टीम से 2-2 से ड्रा खेला। भारत और नेपाल की महिला फुटबॉल टीमों के बीच दो मैत्री मैच आयोजित किए गए हैं। भारत के लिए सौम्या गुगुलोथ और इंदुमति काथिरेसन ने दूसरे हाफ में गोल दागे। वहीं नेपाल के लिए सबित्रा भंडारी ने अंतिम मिनट में पनेल्टी से गोल किया और फिर उन्होंने इंजुरी टाइम में नेपाल के लिए बराबरी गोल दागा।

जंग को हराकर नागल क्वार्टर फाइनल में

● चेन्नई ओपन चैलेंजर

सुमित नागल ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीनी ताइपै के जासन जंग को 3-6, 6-2, 6-0 से हराकर चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व रैंकिंग में 506वें स्थान पर काबिज और क्वालीफाइंग दौर से यहां पहुंचे नागल का सामना अब ब्रिटेन के जे क्लार्क से होगा। क्लार्क ने आठवीं वरीयता प्राप्त दिमितर कुजमानोव को 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। इस बीच दूसरी वरीयता प्राप्त जेम्स डकवर्थ ने सर्बिया के हमाद माजेदोविच को 6-2, 7-6 से मात दी। उनके हमवतन मैक्स परसेल ने चेक गणराज्य के पीटर नोजा को 7-5, 6-3 से हराया। युगल वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के जीवन नेदुंचेझीयान और एन श्रीराम बालाजी ने नागल और शशिकुमार मुकुंद को 7-6, 6- 0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

बीसीसीआई के सामने कुछ नही कर पाएगा आईसीसी : अफरीदी

यूएई में कुछ मैच, भारत अपने सारे मैच वहीं खेल सकता है, एशिया कप पर पीसीबी का सुझाव

कराची। एशिया कप को लेकर जारी गतिरोध के बीच पाकिस्तान मेजबान बना रह सकता है और भारत को उसके मैच यूएई मे खेलने की पेशकश दी जा सकती है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सूत्रो ने यह जानकारी दी। ऐसे हालात मे भारत के फाइनल मे पहुंचने पर फाइनल भी यूएई मे ही होगा। एशियाई क्रिकेट परिषद की बहरीन मे चार फरवरी को आपात बैठक हुई। इससे पहले एसीसी ने अपना कार्यक्रम जारी किया था जिसमे पाकिस्तान को टूर्नामेंट का मेजबान नही बताया गया था। यहां मीडिया से बातचीत मे पीसीबी प्रमुख नजम सेठी ने कहा कि अगले महीने आईसीसी की बैठक से इतर इस मसले पर आगे बातचीत होगी क्योकि यह मसला अभी सुलझा नही है। उन्होने कहा एसीसी की बैठक मे क्या हुआ, इस पर मै क्या कहूं। कोई हल नही निकला

पाकिस्तान के आलराउंडर शाहिद अफरीदी को लगता है कि जहां तक उनके देश में 2023 एशिया कप की मेजबानी का संबंध है तो आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) भी बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के सामने कुछ भी नहीं कर पाएगा। बीसीसीआई ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया। जिससे इस साल के अंत में पाकिस्तान में टूर्नामेंट की मेजबानी पर संदेह बन गया है। यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत में होने वाले वनडे विश्व कप से ठीक पहले होना है। पाकिस्तान ने जवाबी कार्वाई में इस टूर्नामेंट के बहिष्कार करने की धमकी दी है। अफरीदी ने समा टीवी से कहा, मुझे नहीं पता, क्या भारत एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा या नहीं ? क्या हम भारत में होने वाले वनडे विश्व कप का बहिष्कार करेंगे ?

ओलंपियन बलराम का लंबी बीमारी से निधन

भारत के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता फुटबॉलर और ओलंपियन तुलसीदास बलराम का लंबी बीमारी के कारण गुरूवार को यहां निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे। उनके परिवार के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। बलराम 1950 और 1960 के दशक में भारतीय फुटबॉल की सुनहरी पीढ़ी का हिस्सा रहे, जिसमें वह चुन्नी गोस्वामी और पीके बनर्जी जैसे दिग्गजों के साथ खेलते थे जिससे उन्हें होली ट्रिनिटी (त्रिमूर्ति) के नाम से पुकारा जाता था। बलराम ने शादी नहीं की थी, वह पश्चिम बंगाल के उत्तरपारा में हुगली नदी के किनारे एक फ्लैट में रहते थे। पिछले साल 26 दिसंबर को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 1962 के एशियाड चैंपियन का पेशाब के संक्रमण और पेट संबंधित बीमारी के लिए उपचार किया जा रहा था। परिवार के एक करीबी सूत्र ने बताया, उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और आज दोपहर करीब दो बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

स्वर्ण पदक विजेता भारतीय महिला हैंडबॉल टीम वापसी के बाद की गई सम्मानित

नई दिल्ली। भारतीय महिला हैंडबॉल टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अम्मान जार्डन में गत 7 से 14 फरवरी तक आयोजित तृतीय वेस्ट एशियन प्रेसिडेंट कप महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का परचम लहरा दिया। इस स्वर्णिम सफलता के साथ भारतीय महिलाओं का वापसी के बाद नई दिल्ली के आरके खन्ना टेनिस स्टेडियम में आयोजित एक भव्य समारोह में जोरदार स्वागत के साथ सम्मान किया गया। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वाधान में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि वरिष्ठ खेल प्रशासक अनिल खन्ना ने इन खिलाड़ियों का माल्यार्पण करके व पुष्प गुच्छ देकर उनको इस ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई दी। इस दौरान मौजूद हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष ए.जगनमोहन राव व कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने भारतीय टीम की सराहना की।

भारतीय नेत्रहीन क्रिकेट टीम को सम्मानित किया

लखनऊ। इंडसइंड ने दिसंबर 2022 में नेत्रहीनों के लिए तीसरे टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक जीत के लिए भारतीय नेत्रहीन क्रिकेट टीम को सम्मानित किया। 13 फरवरी को इंडसइंड बैंक के मुंबई कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समर्थनम ट्रस्ट के क्रिकेट एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड इन इंडिया के साथ साझेदारी में इंडसइंड बैंक अपने इंडसइंड ब्लाइंड क्रिकेट प्रोग्राम के तहत 6 वर्षों से 700 नेत्रहीन क्रिकेटरों पुरुषों और महिलाओं का समर्थन कर रहा है। इंडसइंड बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ सुमंत कठपालिया सीएबीआई के अध्यक्ष महंतेश किवादसन्नवर और बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रहे।

कूह स्पोर्ट्स क्लबकी जीत

लखनऊ। मैन ऑफद मैच आदित्य सिंह 59 रन की तूफानी पारी के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन की सहयता से कूह स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब ने जी20 बीबीडी सीनियर डिवीजन क्रिकेट लीग के मुकाबले में यूपी टिम्बर क्रिकेट क्लब को 85 रन से पराजित किया। कूह स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 36 ओवर में 226 रन का स्कोर बनाया। यूपी टिम्बर की तरफसे विप्रज निगम ने तीन विकेट हासिल किये जबकि अभिषेक ने दो विकेट चटकाये। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूपी टिम्बर की टीम 26.5 ओवर में 141 रन पर ही ढेर हो गई और जीत से 85 रन दूर रह गई। टीम को सलामी बल्लेबाज शुभांग राज 19 और विश्वजीत मिश्रा 29 ने पहले विकेट के लिए 30 रन की साझेदारी कर अच्छी शुरुआत दी।

इंग्लैंड का पहले दिन दबदबा, नौ विकेट पर 325 रन पर पारी घोषित की

इंग्लैंड ने बेन डकेट (84 रन) और हैरी ब्रुक (89 रन) के अर्धशतकों से न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरूवार को दिन रात्रि क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी नौ विकेट पर 325 रन पर घोषित की। आसमान में काले बादल छाए हुए थे लेकिन बारिश नहीं हुई जिससे इंग्लैंड ने 58.2 ओवर में पारी घोषित की जिसमें डकेट ने 68 गेंद में 14 चौकों से 84 रन और ब्रुक ने 80 गेंद में 15 चौके और एक छक्के से 89 रन बनाए। दिन का 85 मिनट का खेल बाकी था और इंग्लैंड के गेंदबाजों ने स्टंप तक न्यूजीलैंड के पहली पारी में 37 रन पर तीन विकेट झटक लिए थे। न्यूजीलैंड के टॉम लाथम (01), केन विलियमसन (06) और हेनरी निकोल्स (04) पवेलियन जा चुके हैं। डेवोन कॉनवे 19 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इंग्लैंड के लिए जेम्स एंडरसन ने सात ओवर में 10 रन देकर दो विकेट झटके।

देश परदेश

रूस ने यूक्रेन में मिसाइल से किया ताबड़तोड़ हमला

● एक व्यक्ति की मौत

यूक्रेन के साथ जारी जंग में रूस ने क्रूज और अन्य मिसाइल के साथ बृहस्पतिवार को एक बार फिर ताबड़तोड़ हमला बोला। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में 79 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई जबकि सात अन्य लोग घायल हो गए। यूक्रेन के सैन्य प्रमुख वालेरी जालुजनी ने कहा कि रूसी सेना ने रात में करीब दो घंटों तक विभिन्न प्रकार की 36 मिसाइल दागीं। उन्होंने बताया कि उनमें से कम से कम 16 को यूक्रेनी वायु रक्षा इकाइयों ने नष्ट कर दिया। यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि देश के उत्तर, पश्चिम, दक्षिण, पूर्व और केंद्रीय इलाकों में निशाना साधा गया। रूसी सेना हालांकि यूक्रेनी हवाई सुरक्षा तंत्र को पार करने के तरीकों की तलाश कर सकती है जिन्हें पश्चिमी देशों द्वारा आपूर्ति की गई हथियार प्रणालियों द्वारा मजबूत किया गया है। यूक्रेन के स्थानीय गवर्नर सेरही लिसाक ने बताया कि पूर्वी शहर पावलोह्राद में मिसाइल हमले में 79 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और कम से कम सात अन्य लोग घायल हो गए। इनमें से दो को बाद में अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। गवर्नर ने कहा कि हमलों में सात मकानें जमींदोज हो गईं और 30 अन्य को नुकसान पहुंचा तथा एक औद्योगिक इकाई में आग लग गई। पश्चिमी यूक्रेन के एक क्षेत्रीय गवर्नर मैक्सिम कोजित्स्की ने कहा कि ल्वीव प्रांत में एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में आग लग गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले 24 घंटों में कुल मिलाकर रूसी हमलों और गोलाबारी में कम से कम सात लोग मारे गए।

सैन्य सहायता के लिए बढ़ते दबाव के बीच इजराइली विदेश मंत्री यूक्रेन पहुंचे

इजराइल के विदेश मंत्री बृहस्पतिवार को कीव पहुंचे, जो पिछले साल रूस के आक्रमण के बाद किसी वरिष्ठ इजराइली अधिकारी की यूक्रेन की राजधानी की पहली आधिकारिक यात्रा है। एली कोहेन की यात्रा यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की पहली वर्षगांठ से ठीक पहले हुई है और वह भी ऐसे समय में जब पश्चिमी देश कीव की सैन्य सहायता बढ़ाने की कवायद में लगे हैं। अन्य पश्चिमी देशों के विपरीत, इजराइल ने रूस या रूसी अधिकारियों पर प्रतिबंध नहीं लगाए हैं। इजराइल ने यूक्रेन को न खुफिया जानकारी साझा की है और न ही हथियार प्रदान किए हैं। इसने यूक्रेन को एक फील्ड अस्पताल सहित मानवीय सहायता जरूर प्रदान की है। कोहेन अपनी इस संक्षिप्त यात्रा के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ-साथ वरिष्ठ यूक्रेनी अधिकारियों और देश के यहूदी समुदाय के नेताओं से मिलेंगे। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या कोहेन अपनी यात्रा के दौरान यूक्रेन को अधिक सहायता की घोषणा करेंगे। कोहेन ने कीव के बाहर बुचा में एक सामूहिक कब्र स्मारक पर पहुंचने पर कहा, हम यहां यूक्रेनी राष्ट्र के साथ एकजुटता व्यक्त करने की एक महत्वपूर्ण यात्रा पर हैं, जिसने निश्चित रूप से पिछले एक साल में बहुत कठिन समय का सामना किया है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने यूक्रेन का समर्थन किया है और मानवीय सहायता प्रदान की है, तथा आगे भी करता रहेगा। अन्य पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता बढ़ाए जाने से इजराइल पर दबाव बन रहा है कि वह कीव को अपने कुछ परिष्कृत सैन्य उपकरण प्रदान करे। पिछले साल, इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट मध्यस्थता के प्रयास के तहत मॉस्को पहुंचे थे।

नॉर्वे ने यूक्रेन को 7.4 अरब डॉलर की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की

कोपनहेगन (डेनमार्क)। नॉर्वे ने यूक्रेन को 7.4 अरब डॉलर की आर्थिक मदद देने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। नॉर्वे की संसद ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा करते हुए कहा कि यूक्रेन को पांच साल के पैकेज के तहत 7.4 अरब डॉलर की मदद प्रदान की जाएगी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेस्की ने इस आर्थिक सहायता के लिए नॉर्वे को धन्यवाद दिया। जेलेस्की ने नॉर्वे की संसद के सदस्यो से अपने वीडियो संबोधन मे कहा, आप एक ऐसे देश के लिए दीर्घकालिक वित्तीय सहायता के लिए मिसाल कायम कर रहे है जो अपनी स्वतंत्रता की रक्षा कर रहा है। पांच वर्षो मे इस धनराशि को सैन्य और मानवीय सहायता के बीच समान रूप से विभाजित किया जाएगा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की बर्लिन फिल्म महोत्सव के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे

बर्लिन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेस्की वार्षिक बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन सत्र को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करेंगे। पूर्व हास्यकलाकार और अभिनेता जेलेस्की ने सीन पेन की यूक्रेन युद्ध पर बनी फिल्म सुपरपावर मे अहम भूमिका निभाई थी जिसका महोत्सव मे विश्व प्रीमियर होगा। इस साल महोत्सव 26 फरवरी तक चलेगा और गोल्डन और सिल्वर बीयर अवॉर्ड के लिए 18 फिल्मो मे प्रतिस्पर्धा होगी। विजेता का चुनाव करने वाले निर्णायक मंडल के अध्यक्ष अमेरिकी अभिनेता, पटकथा लेखक और निर्देशक क्रिस्टेन स्टीवार्ट है। महोत्सव की शुरुआत बृहस्पतिवार को रिबेका मिल्लर की फिल्म शी केम टू मी के प्रीमियर से होगी।

प्रभास की मेहमाननवाजी की मुरीद हुईं

तमन्ना भाटिया

अभिनेता प्रभास के साथ काम करने वाले को-स्टार्स उनके स्वभाव की तारीफ करते हैं। इनके बीच एक और बात की चर्चा होती है, जो है प्रभास की मेहमाननवाजी। आखिर उनकी तारीफ कोई करे भी क्यों न प्रभास अपनी टीम और को-स्टार्स को स्पेशल फील कराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने भी प्रभास के मेहमाननवाजी की जमकर तारीफ की। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब तमन्ना भाटिया से प्रभास के साथ काम करने बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि प्रभास रियल सुपरस्टार हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, प्रभास की मेहमाननवाजी कमाल की है। 30 डिशेज कहना बहुत आसान है, लेकिन सच में इतना कुछ करना बेहद मुश्किल। वह सभी के बारे में सोचते हैं और लोगों को स्पेशल फील कराने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। तमन्ना ने बातों ही बातों में प्रभास के सीक्रेट का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें पता भी नहीं है कि उनके घर के खाने ने लोगों को दीवाना बना दिया है। प्रभास इस बात से अनजान हैं कि उनके इस नेचर का लोगों पर उनका कितना इम्पैक्ट है और उनका स्टारडम कितना बड़ा है।

बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब प्रभास की तारीफ हुई हो। इससे पहले प्रभास के कई को-स्टार्स उनकी मेहमाननवाजी से प्रभावित हो चुके हैं। उनके साथ काम कर चुकीं श्रद्धा कपूर से लेकर श्रुति हासन, पूजा हेगड़े और अमिताभ बच्चन तक सब ने शूटिंग के दौरान प्रभास द्वारा पेश किए गए स्वादिष्ट घर के बने खाने की तारीफ की।

स्वरा भास्कर

ने सपा नेता फ़हद अहमद से शादी की

अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि उन्होंने फ़हद अहमद के साथ शादी कर ली है। वीरे दी वेडिंग की अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर अहमद को टैग करते हुए इस बात की जानकारी साझा की। फ़हद अहमद समाजवादी पार्टी की युवा शाखा समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। भास्कर ने अपने पति के साथ वाले एक वीडियो को साझा करते हुए लिखा, कभी-कभी आप किसी ऐसी चीज के लिए दूर-दूर तक खोज करते हैं जो आपके ठीक बगल में होती है। हम प्यार की तलाश कर रहे थे, लेकिन हमें पहले दोस्ती मिली। और फिर हमने एक दूसरे को पाया। मेरे दिल में आपका स्वागत है फ़हद जिरार अहमद। इस दिल में हलचल है, लेकिन तुम्हारे लिए। अभिनेत्री (34) के पोस्ट को साझा करते हुए 31 वर्षीय अहमद ने लिखा, मुझे कभी नहीं पता था कि हलचल इतनी खूबसूरत हो सकती है स्वरा भास्कर। भास्कर को आखिरी बार कॉमेडी फिल्म जहां चार यार (2022) में देखा गया था।

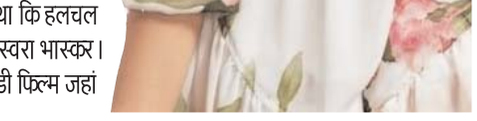

सेल्फी का नया ट्रेलर-टीजर रिलीज

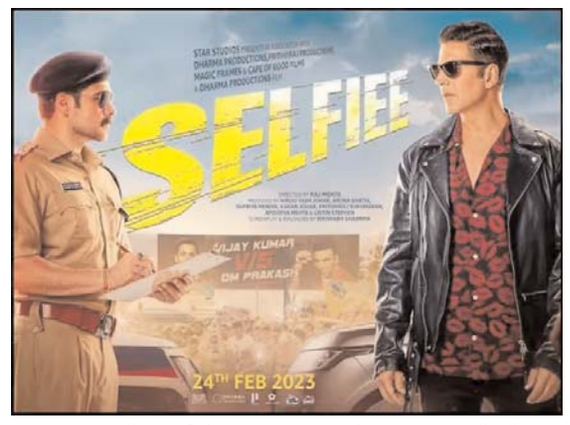

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म सेल्फी का एक और नया टीजर और ट्रेलर जारी किया गया है। फिल्म का ट्रेलर और टीजर दोनों ही दमदार है। फिल्म के टीजर में बायकॉट अभिनेता और बायकॉट बॉलीवुड ट्रेंड का जिक्र भी किया गया है। फिल्म के टीजर में इन दिनों बॉलीवुड के सच को दिखाया गया है। इस टीजर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा करते हुए अजय कुमार ने मजेदार कैप्शन भी लिखा है। फिल्म के टीजर की शुरुआत होती है अक्षय कुमार से, जहां वह अपने फैन को ग्रीट कर रहे हैं। फिल्म में अक्षय कुमार सुपरस्टार विजय कुमार का किरदार निभा रहे हैं। इस टीजर में टीवी पर एक न्यूज रिपोर्टर एंकरिंग करते हुए कहता है कि विजय कुमार को बायकॉट कर देना चाहिए। बॉलीवुड को बायकॉट कर देना चाहिए। इसके बाद फिल्म निर्माता गुस्से में कहते हैं कि दो चार हैसटैग और जोड़ दो। एक तो ऐसे ही हमारी फिल्में नहीं चल रही हैं। इसके बाद अक्षय कुमार निर्माता की बात सुनने के बाद भड़कते हुए नजर आते हैं और खुद की तरफ इशारा करते हैं। इशारों में अक्षय कुमार ने पूछा कि क्या फिल्में वजह से नहीं चल रही हैं? इस पर निर्माता कहते हैं, नहीं ऐसा नहीं है। इस टीजर को इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, जो सह रहे हैं, वह कह रहे हैं। फिल्म सेल्फी 24 फरवरी को सिनेमाघरों में जरूर देखें। अक्षय कुमार का यह कैप्शन बॉलीवुड के बायकॉट ट्रेंड की तरफ इशारा कर रहा है। दरअसल, कुछ साल से बॉलीवुड में लगभग हर फिल्म को बायकॉट ट्रेंड का शिकार होना पड़ता है। कुछ फिल्म बायकॉट ट्रेंड के बीच अपना कमाल दिखा जाती हैं, लेकिन कुछ बुरी तरह से बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो जाती हैं। फिल्म सेल्फी के टीजर के साथ ही दूसरे ट्रेलर को भी रिलीज किया गया है। इस ट्रेलर में एक बार फिर इमरान हाशमी और अक्षय कुमार के बीच की जंग को दिखाया गया है। जहां पिछले ट्रेलर में इमरान हाशमी के किरदार को मुख्य रूप से उभारा गया था, जिसमें वह विजय कुमार के जबरा फैन से उनके दुश्मन बनते हुए नजर आए थे और तब उन दोनों के बीच जंग शुरू हो गई थी। वहीं इस ट्रेलर में अक्षय कुमार के किरदार को उभारा गया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि किस तरह से फैंस सुपरस्टार विजय कुमार के लिए पागल हैं। वहीं, अक्षय कुमार मीडिया और फैंस को अपनी कहानी सुनाते हुए नजर आ रहे हैं।

पृथ्वीराज सुकुमारनको राहत!

फिल्म कांतारा अपने गाने वराह रूपम की वजह से चर्चा में है। दरअसल, इस गाने को लेकर फिल्म के मेकर्स पर साहित्यिक चोरी का आरोप है। दूसरी तरफ, इस मामले में मलयालमय एक्टर और प्रोड्यूसर पृथ्वीराज सुकुमारन का भी नाम है। हालांकि, फिलहाल उन्हें केरल हाईकोर्ट की तरफ से बड़ी राहत मिली है। कथित कॉपीराइट उल्लंघन के मामले में कोर्ट ने पृथ्वीराज सुकुमारन के खिलाफ एफआईआर पर रोक लगा दी है। बता दें कि पृथ्वीर ाज केरल में इस फिल्म के वितरक हैं। एफआईआर पर रोक लगाते हुए न्यायमूर्ति बेचू कुरियन थॉमस की एकल पीठ ने कहा, केरल में फिल्म के वितरक के रूप में एक्टर को कॉपीराइट उल्लंघन मामले में अनावश्यक रूप से घसीटा जा रहा है। वितरक के रूप में देश के किसी एक राज्य में फिल्म के वितरण के लिए उन्हें कॉपीराइट के उल्लंघन के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है। उन्होंने केरल में फिल्म के वितरण की सुविधा प्रदान की। वह फिल्म के निर्माण में या इसके म्यूजिक प्रोडक्शन में वह शामिल नहीं थे। कोर्ट ने कहा कि उनकी कंपनी ने 4 नवंबर 2022 को फिल्म का डिस्ट्रीब्यूशन रोक दिया। उनकी कंपनी के वितरण की भूमिका काफी सीमित है। बता दें कि पृथ्वीराज ने एक याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने अपने खिलाफ कोझिकोड टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज एक एफआईआर पर सवाल उठाए थे और इसे रद्द करने की मांग की थी। इसी पर कोर्ट ने उनके खिलाफ एफआईआर पर रोक लगाई है। बता दें कि फिल्म कांतारा के गाने वराह रूपम पर केरल के बैंड ताईकुडम ब्रिज ने साहित्यिक चोरी का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि फिल्म बनाने वालों ने उनके गाने नवरसम से कॉपी किया है। कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट ने कांतारा के मेकर्स को भी इस मामले में बड़ी राहत दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कांतारा के निर्देशक और निर्माता को अग्रिम जमानत दी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने गाने को फिल्म से हटाए जाने के हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई। बात कांतारा की करें तो यह फिल्म बीते वर्ष सितंबर में रिलीज हुई थी। फिलहाल मेकर्स कांतारा 2 की तैयारियों में व्यस्त हैं।

शाहरुख

के फैंस को मिला तोहफा

500 करोड़ी क्लब में शामिल होने के बाद अब कम दाम में देख सकेंगे पठान

सिद्धार्थ आनंद की फिल्म पठान इन दिनों सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है। यह फिल्म दुनियाभर में 1000 करोड़ का आंकड़ा छूने की तरफ बढ़ रही है। वहीं देशभर में इस फिल्म ने 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। दर्शकों को यह फिल्म खूब पसंद आ रही है। यशराज बैनर के तले बनी यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हो चुकी है। कमाई के मामले में यह फिल्म बहुत जल्द बाहुबली का रिकॉर्ड तोड़ने वाली है। वहीं पठान की जबरदस्त सफलता के बाद अब मेकर्स ने मास्टरस्ट्रोक खेला है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर माजरा क्या है। दुनियाभर में पठान की जबरदस्त सफलता को देखते हुए मेकर्स ने 17 फरवरी के दिन को पठान डे घोषित किया है। वहीं इस दिन पीवीआर, आईनॉक्स और सिनेपॉलिस ने पठान के टिकट के दाम घटा दिए हैं। अब 17 फरवरी को शाहरुख खान के फैंस उनकी फिल्म को 110 रुपये में देख सकते हैं। मेकर्स ने यह तोहफा पठान के 500 करोड़ के क्लब में शामिल होने की खुशी में दिया है। बता दें कि यह उन दर्शकों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है, जो अभी भी पठान देखने से चूक गए हैं। अब दिकट के दाम में कमी के चलते फैंस इस फिल्म को आसानी से देख सकते हैं। इस खबर को पढ़ने के बाद शाहरुख के फैंस काफी खुश होंगे। बता दें कि सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी इस फिल्म शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी लीड रोल में हैं।

बता दें कि पठान को रिलीज के बाद से ही ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। दरअसल शाहरुख खान ने चार साल के लंबे ब्रेक के बाद 'पठान' से कमबैक किया है और फैंस ने किंग खान की वापसी का जमकर जश्न मनाया। हालांकि फिल्म की रिलीज से पहले काफी विवाद भी हुआ। फिल्म के गाने बेशर्म रंग मे दीपिका पादुकोण के भगवा रंग की बिकिनी पहने पर आपत्ति जताते हुए कई नेताओं और हिंदू संगठनों ने 'पठान' के बायकॉट की मांग भी की थी। हालांकि फिल्म रिलीज हुई और इसने इतिहास रच दिया।

पठान आईमैक्स में दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म

पठान इस समय बॉक्स ऑफिस पर गरज कर रही है। भारत और दुनिया भर में, यह फिल्म 25 जनवरी को रिलीज होने के बाद से ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। चार साल के अंतराल के बाद शाहरुख खान ने बड़े पर्दे पर वापसी की और फैंस ने उनकी फिल्म को सुपरहिट बनवा दिया। पठान ने अब वैश्विक स्तर पर 950 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, और घरेलू बॉक्स ऑफिस संग्रह पर 500 करोड़ रुपये के निशान पर नजर गड़ाए हुए है। यह आईमैक्स में अब तक की दूसरी सबसे बड़ी हिंदी ओरिजिनल ग्रॉसर भी बन गई है। 25 जनवरी को रिलीज हुई पठान बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। साथ ही दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम अभिनीत, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर एक बम्पर शुरुआत की और यह रुकने का नाम नहीं ले रही है। फिल्म ने दुनिया भर के 21 बाजारों में 144 आईमैक्स स्क्रीनों पर धूम मचाई। आखिरकार, यह आईमैक्स पर अब तक की सबसे बड़ी भारतीय रिलीज़ थी। आईमैक्स के सीईओ रिचर्ड गेलफॉन्ड ने इकोनॉमिक टाइम्स को बताया, पठान ने आईमैक्स में किसी भारतीय फिल्म के लिए अब तक का सबसे बड़ा ओपनिंग डे दिया है। रिपोर्ट्स यह भी बताती हैं कि पठान का भारत में अब तक का नंबर 1 आईमैक्स शुरुआती सप्ताहांत था। इसने केजीएफ-चैप्टर 2, आरआरआर, अवतार- द वे ऑफ वॉटर, 2017 की फिल्म बाहुबली 2 - द कन्क्लूजन जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया। पठान में शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम पहली बार साथ आए हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक की बोतलों के निस्तारण में युवाओं की भागीदारी

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा

(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

सिंगल ले यूज प्लास्टिक की बोतलें पर्यावरण के लिए खतरा बनकर उभर रही हैं। संस्थानों ने 'जीरो प्लास्टिक ऑन कैंपस' को अपनाना शुरू कर दिया है। सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ के तहत पर्यावरण संवेदनशीलता की दिशा में काम करने वाले छात्र उपभोग को कम करने के लिए विभिन्न जागरूकता अभियान चला रहे हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए उपयोग कर रहे हैं कि प्लास्टिक कचरे में नहीं बढ़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की हालिया रिपोर्ट फ्रॉम पॉल्यूशन टू सॉल्यूशन से पता चलता है कि वर्तमान में समुद्र में 75-199 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा है, और 2016 में लगभग 9-14 टन कचरा जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में प्रवेश कर गया। ऐसा अनुमान है कि 2040 तक, यह लगभग तीन गुना बढ़कर 23-37 मिलियन टन प्रति वर्ष हो जाएगा। प्लास्टिक समुद्री कूड़े का सबसे बड़ा, सबसे हानिकारक और सबसे स्थायी है, जो सभी समुद्री कचरे का कम से कम 85 प्रतिशत हिस्सा है।

वर्षों से प्लास्टिक कचरे के संचय और उपयुक्त निपटान तकनीकों की कमी ने एक महत्वपूर्ण और अद्वितीय संकट को जन्म दिया है जहां प्लास्टिक कचरा हमारे जल संसाधनों और जलमार्गों को बंद कर रहा है, लैंडफिल को ओवरफ्लो कर रहा है, मिट्टी में लीचिंग कर रहा है और हवा के माध्यम से स्थानांतरित हो रहा है, इस प्रकार हर प्राकृतिक को प्रदूषित कर रहा है।

पैकेजिंग पानी के लिए उपयोग की जाने वाली प्लास्टिक की बोतलें शहरी प्लास्टिक कचरे का एक महत्वपूर्ण घटक हैं। सामाजिक प्रकोष्ठ गैर-सरकारी संगठनों की मदद से ऐसी बेकार बोतलों का संग्रह अभियान चला रहा है। कचरे के रूप में एकत्र की गई इन प्लास्टिक की बोतलों को फिर रेत से भर दिया जाता है और सामुदायिक विद्यालयों के लिए दीवारों, सीटों और बेंचों का निर्माण किया जाता है और इसे रचनात्मक उद्देश्यों में लगाया जाता है। पर्यावरण के प्रति एक जिम्मेदार रवैया बनाने के उपाय के रूप में बोतल संग्रह की पहल समग्र जागरूकता बढ़ाती है और सुविधा क्षेत्र से बाहर निकलकर समाज में योगदान देकर सामाजिक सरोकारों की दिशा में काम करने के गुणों को विकसित करती है। हालांकि इस तरह की पहलें अभी प्रारंभिक अवस्था में हैं, हालांकि उच्च और तकनीकी संस्थानों के छात्र इस तरह की पहल में उत्साहपूर्वक कमाग ले रहे हैं और सामग्री के लिए वैकल्पिक उपयोग खोजने के लिए नए तरीके खोज रहे हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

कैट ने रेलवे मंत्री से मुंबई की स्थानीय रेलवे प्रवासियों की समस्याओं को हल करने की मांग की

कैट के पदाधिकारियों ने मुम्बई से रवाना हुई वंदे भारत एक्सप्रेस के सफर का उठाया लुत्फ, किराया कम करने की अपील की

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री शंकर ठक्कर ने बताया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुम्बई में दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह दोनों ट्रेन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से चलेंगी। पहले दिन मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस से साईं नगर शिर्डी जाने वाली ट्रेन में केट के पदाधिकारियों ने सफर का लुफ्त उठाया। और रेलवे मंत्री से मुलाकात कर अपील की कि इसके टिकट के दाम थोड़े कम कर दिए जाए ताकि सभी इस सफर का लुत्फ उठा सके इसके साथ मंत्री जी से मुंबई की जीवन रेखा कही जाने वाली स्थानीय रेलवे से संबंधित समस्याओं के बारे में अवगत कराया एवं ज्ञापन दिया।आगे कहा अपने आप को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में सफर करने का मौका मिला है। नागरिकों के लिए भी यह सफर बहुत छोटा और आरामदायक है। हालांकि, हम प्रधानमंत्री मोदी जी एवं और रेलवे मंत्री से अपील करना चाहते हैं कि इसका किराया कम कर दिया जाए- ताकि आम नागरिक भी इसमें सफर कर सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सीएसएमटी स्टेशन से दो वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एक साथ मुंबई को दो दो वंदे भारत ट्रेन की सौगात देने के लिए

आदरणीय प्रधानमंत्री एवं रेलवे मंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा देश की आर्थिक राजधानी मुंबई मैं आने के लिए व्यापारियों के लिए कम समय में सफर कर अपने स्थान पर पहुंचने पर समय की बचत होगी जिससे अपने व्यापार पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे एवं ई-कॉमर्स के माध्यम से छोटी वस्तुएं जो कि रेलवे के माध्यम से भी परिवहन की जाती है उसे भी अपने स्थान पर पहुंचाने में आसानी होगी सीएसएमटी-सोलापुर और सीएसएमटी साई नगर शिर्डी देश की ९वीं और १०वी वंदे भारत एक्सप्रेस है। सीएसएमटी से शिरडी जाने वाली ट्रेन सुबह ६. २० बजे सीएसएमटी से रवाना होगी और ११.४० बजे शिरडी पहुंचेगी। वापसी की यात्रा शाम ५:२५ बजे शुरू होगी और रात १०.५० बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। आमतौर पर, अन्य ट्रेनों से लगभग साढ़े ६ घंटे लगते हैं. लेकिन इससे यात्रा का समय ९० मिनट कम हो जाएगा। यात्रा करने वाले लोगों को एक अलग ही अनुभव हुआ और वे खुश नजर आए। कैट मुंबई के महामंत्री शिव कनोडिया ने कहा वंदे भारत ट्रेन यूरोप की यूरेल से भी प्रतिस्पर्धा में आगे निकलेगी इतनी तकनीक से लैस आरामदायक ट्रेन है।कैट मुंबई के अध्यक्ष दिलीप माहेश्वरी ने कहा संपूर्ण स्वदेशी वंदे भारत ट्रेन देश के लिए एक उपलब्धि है और देश के यातायात में यह ट्रेनें वरदान रूप साबित होगी। इन ट्रेनों में कवच टेक्नोलॉजी होने से सुरक्षा की दृष्टि से भी काफी अच्छी है।:

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स, महाराष्ट्र प्रदेशमहामंत्री : श्री शंकर ठक्कर

सीए गौड़ ने शुरू किया सीए फाइनल का निःशुल्क बैच

डॉ. गौड़ के साथ खुशबू और धवल भी बने मुहिम का हिस्सा

मुंबई। आधुनिक दौर में जहां शिक्षा को व्यवसाय का जरिया बना दिया गया है। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो इसे सेवा के रूप में लेते है। ऐसी ही शख्सियत हैं सीए डॉ. महेश गौड़ जिन्होंने गरीब विद्यार्थियों को भी सीए बनाने का बीड़ा उठाया है। सीए गौड़ ने सीए फाइनल का एक निःशुल्क बैच शुरू किया है, जिसमें 6 हजार से भी ज्यादा छात्र हिस्सा ले रहे हैं। उनके इस नेक काम में सीए खुशबू सांघवी एवं धवल पुरोहित कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं और गरीब विद्यार्थियों के जीवन को संवारने में जुटे हुए हैं।बता दें कि सीए की पढ़ाई करने की फीस लाखों में होती है। ऐसे में होनहार गरीब विद्यार्थी भी पैसे की कमी की वजह से अपना सीए बनने का सपना पूरा नहीं कर पाते हैं। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए डॉ. गौड़ ने ये मुहिम शुरू की है। उल्लेखनीय बात यह है कि निःशुल्क बैच पहली नहीं शुरू किया गया है। उन्होंने इससे पहले भी कोरोना काल के दौरान भी 8 हजार विद्यार्थियों निःशुल्क शिक्षा प्रदान की थी। इस बार शुरू किए गए बैच के विद्यार्थियों को एडनोवेट के डायरेक्टर सीए धवल पुरोहित एससीएमपीई, गौर्स ई-लर्निंग की पार्टनर सीए खुशबू सांघवी ऑडिट एवं सीए महेश गौड़ इनडायरेक्ट पढ़ाते हैं।कई संस्थाओं ने विरोध किया :इस निःशुल्क को लेकर महेश गौड़ का कहना है कि जब उन्होंने इस मुहिम को शुरू किया तो कई सीए की संस्थाओं ने विरोध जताया लेकिन वो अपने संकल्प पर अडिग रहे। गौड़ का मानना है कि कोई भी बच्चा पैसों की कमी की वजह से सीए बनने से वंचित न रह जाए। उन्होंने बताया कि सीए का सिलेबस में परिवर्तन होने जा रहा है। ऐसा अनुमान है कि मई २०२४ से नया सिलेबस लागू हो जाएगा। जिसकी पढ़ाई करने के लिए फिर से विद्यार्थियों क्लासेस लेनी होगी और प्रत्येक विषय के लिए कम से कम पंद्रह हजार रुपए खर्च करने होंगे। इस तरह की वित्तीय परेशानी का सामना बच्चों को ना करना पड़े इसके लिए निःशुल्क बैच शुरू किया।सपने को कर रहे साकार :इस बैच के सीए विद्यार्थियों का कहना है कि महेश गौड़ हम लोग के जीवन में मसीहा बनकर आए हैं। सीए क्लासेस की फीस वहन करना हमारे लिए मुश्किल था। हमको इस बात का डर था कि इस बार हम पास नहीं हुए तो फिर से सब कुछ नया पढ़ना पड़ेगा। लेकिन जैसे ही हमें पता चला कि महेश गौड़ सर ने नया बैच शुरू किया है हमने इसे जॉइन कर लिया। अब ऐसा लग रहा है कि हम गरीब विद्यार्थियों का सीए बनने का सपना साकार हो जाएगा। महेश गौड़ सर का पढ़ाने का तरीका बहुत लाजवाब है, वो थ्री-डी एनिमेशन के साथ पढ़ाते हैं, जिससे समझने में आसानी होती है।

- संतोष साहू

गुजरात के जूनागढ़ में भवनाथ क्षेत्र में महाशिवरात्रि का प्रारंभ

गुजरात के जूनागढ़ में भवनाथ क्षेत्र में महाशिवरात्री के प्रसिद्ध मेले का प्रारंभ आज से हुआ। आज सदियों से चली आ रही पारंपारिक धजारोहण विधि हुई। इस महा शिवरात्रि के मेले के दौरान देशभर से श्रद्धालुओ के साथ साथ नागा साधु भी बडी संख्या में उपस्थित रहते हैं। गिरनार पर्वत क्षेत्र के प्राचीन भवनाथ मंदिर में शिव दर्शन का सदियों से बडा महिमा है। गुजरात में से हजारों की संख्या में लोग हररोज यहां मेले में दर्शन को आते है। इस मेले के आखरी दिन महाशिवरात्रि के पर्व पर हजारों की संख्या में उपस्थित नागा साधु के दर्शन के लिए दस लाख से ज्यादा श्रद्धालु इकट्ठा होते हैं ।इस तरह हर साल की धार्मिक परम्परा अनुसार आज गुजरात सहित देशभर में से जूनागढ़ के भवनाथ क्षेत्र में पधारे शिवभक्तों ने भक्तिभाव से हर हर महादेव की पुकार के साथ शिवरात्रि मनाना आज से प्रारंभ कर दिया है। आज गुजरात में जूनागढ़ के भवनाथ मंदिर में सवेरे से शिव भक्तो की भीड़ के साथ जूना अखाड़े के वरिष्ठ महात्मा श्री हरिगिरी जी महाराज के साथ विभिन्न अखाडा के वरिष्ठ साधु महात्मा एकत्रित हुए थे। भवनाथ मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ शिवपूजा की गई थी। उसके पश्चात ध्वजा आरोहण विधि शास्त्रोक्त तरीके से परीपूर्ण करते हुए विभिन्न अखाड़ों में तथा भारती आश्रम में महामंडलेश्वर हरिहरानंद जी महाराज, अग्नि अखाडे में श्री महंत मुक्तानंद बापू के सानिध्य में तथा इंद्रभारती बापू के आश्रम में तथा महेंद्रगिरी बापू के आश्रम में धजारोहण विधि की गई थीं। महाशिवरात्री के पर्व पे गिरनार पर्वत के प्राचीन प्रसिद्ध अंबा मां मंदिर पर पारंपारिक विधि अनुसार धजा चढ़ाई गई थीकोरोना माहामारी खत्म होने के पश्चात आयोजित इस वर्ष के शिवरात्रि के मेले में देशभर से लाखों से ज्यादा शिवभक्त दर्शन के लिए पधारेंगे ऐसी परिस्थिति है।

मराठी की स्टार अभिनेत्री मानसी नाईक और सिंगर स्वरूप भलवांकर का म्युजिक वीडियो "दिल टूटा है तो क्या" हुआ रिलीज

सोशल मीडिया पर डांस और एक्सप्रेशन क्वीन के नाम से पहचानी जाने वाली मराठी स्टार अभिनेत्री मानसी नाईक का पहला हिंदी म्युज़िक वीडियो वेलेंटाइन डे के अवसर पर रिलीज किया गया है। स्वरूप भलवांकर द्वारा कम्पोज़ किया गया और उन्हीं की आवाज़ में गाया हुआ सॉन्ग "दिल टूटा है तो क्या" सीजीपी म्युज़िक इंडिया द्वारा जारी किया गया है, जिसे दर्शकों का खूब अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।मुम्बई में हुए एक कार्यक्रम में इस ब्रेकअप म्युज़िक वीडियो को लॉन्च किया गया जहां मानसी नाईक, सूरज सुरकर, स्वरूप भलवांकर और वीडियो डायरेक्टर रवि शर्मा उपस्थित थे। निर्मा ताअज़हर अली शेख के इस वीडियो को सीजीपी म्युज़िक इंडिया और चेतन गरुड़ प्रोडक्शन द्वारा प्रस्तुत किया गया है। वीडियो में मानसी के साथ सूरज दिखाई दे रहे हैं वहीं सिंगर स्वरूप भलवांकर की झलक भी वीडियो में है। दिल को छू लेने वाले गीत के बोल रवि शर्मा ने लिखे हैं।मानसी नाईक ने बताया कि वेलेंटाइन डे पर इस गीत को रिलीज करना एक बहाना है मगर इस वीडियो में एक बड़ी प्यारी सी कहानी जुड़ी हुई है। स्वरूप ने बड़ी शिद्दत से इसे कम्पोज़ किया और गाया है, साथ ही निर्देशक रवि शर्मा ने कमाल ढंग से एक इमोशनल स्टोरी इस म्युज़िक वीडियो के द्वारा कही है। यह एक अलग कहानी है, मगर वीडियो के अंत में एक सीधा सन्देश दिया गया है कि जिंदगी या रिलेशनशिप में जो भी होता है अच्छे के लिए होता है। उम्मीद और सकारात्मक सोच हमेशा रखनी चाहिए, कभी हार नहीं माननी चाहिए। आज के माहौल में बहुत कुछ निगेटिव चीजें चल रही हैं और हम चाहते थे कि हम म्युज़िक वीडियो के माध्यम से एक प्यारी सी कहानी दिखाएं जिसका क्लाइमेक्स पॉज़िटिव हो क्योंकि आज इंसान वैसे ही बहुत से टेंशन में है तो वह पर्दे पर भी टेंशन नहीं देखना चाहता।स्वरूप ने बताया कि जब इस गीत के लिरिक्स मेरे पास आए तो इस गाने की शुरुआत हुई। कम्पोज़िशन बनी, फिर एक विचार को लेकर इसका वीडियो भी तैयार हुआ। यह वीडियो दरअसल एक बड़ा ही प्यारा मैसेज देता है कि इंसान को जीवन मे हर परिस्थिति में आगे बढ़ जाना चाहिए।मानसी ने बताया कि यह पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है और हमारी टीम काफी बेहतर थी।

गायक अमित कुमार गुप्ता का "साँवरे" क्लासिक पारंपरिक राधा कृष्ण भजन का है समकालीन रूप

गायक अमित कुमार गुप्ता का डिवोशनल गीत "साँवरे" हुआ रिलीज़*

संगीत में वह जादू होता है कि मनुष्य उन पलों में सबकुछ भूलकर धुन में खो जाता है। कोरोना काल के बाद के इस टेंशन भरे माहौल में भक्ति गीत दिल को सुकून पहुंचाने का अधिक काम करने लगे हैं। इसलिए अमित कुमार गुप्ता एक भक्ति गीत लेकर हाज़िर हुए हैं जिसमें शांति है, सुकून है, मेलोडी है। इस वर्ष 2023 का उनका पहला गीत था काली काली रात, जिसे दर्शकों का शानदार रेस्पॉन्स मिला था। और अब अमित कुमार गुप्ता जो एकेजी के नाम से दुनिया भर में जाने जाते हैं, एक डिवोशनल सॉन्ग लेकर आए हैं जिसका नाम है 'साँवरे'। साँवरे एक बहुत ही लोकप्रिय पारंपरिक राधा कृष्ण भजन है, इसको अमित कुमार गुप्ता ने रिक्रिएट किया है। "साँवरे" दरअसल क्लासिक राधा - कृष्ण भजन का एक समकालीन रूप है। गिटार का इस्तेमाल, भावनाओ से भरी आवाज़ और सुंदर मेलोडी से भरा यह गीतकिसी लोकगीत के बजाय एक नया इंडी गीत प्रतीत होता है। और यह कमाल किया है एकेजी ने जो प्रतिभाशाली अमित कुमार गुप्ता का संक्षिप्त रूप है। वह एक असाधारण कलाकार हैं जो अध्यात्म के प्रति गहरा झुकाव रखते हैं। उनके सरल गीत, मेलोडीज़ से भरा संगीत और भावपूर्ण आवाज एक अद्भुत आकर्षण पैदा करती है और श्रोताओं को एक आंतरिक सफर पर ले जाती है।एकेजी ने एक अल्बम बनाया है मुद्दतों बाद, इसका पहला गीत काली काली रात रिलीज हो कर लोकप्रिय हो चुका है। अब साँवरे इस एल्बम का दूसरा गीत है। इसको आजकल के संगीत के हिसाब से तैयार किया गया है। इसे खुद अमित कुमार गुप्ता ने गाया है। इसके वीडियो की खास बात यह है कि वृंदावन में जाकर इसे शूट किया गया है। इसमें कृष्णा और राधा के किरदार को जिसने अदा किया है, वे इस्कॉन में पिछले दस साल से गाती हैं और इस्कॉन में सेवा कर रही हैं, और रास लीला के कार्यक्रमों में अभिनय भी करती आ रही हैं।

श्री राधे माँ चैरिटेबल ट्रस्ट' द्वारा 'मुफ्त हेल्थ चेकअप कैंप'

मुंबई। 'श्री राधे माँ चैरिटेबल ट्रस्ट' द्वारा राधे माँ के जन्मदिन के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विभिन्न प्रकार के सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। ३ मार्च २०२३ को 'अनाज वितरण' कार्यकम का आयोजन जरूरतमंदों के लिए किया गया है,जिसके तहत लोगों को मुफ्त अनाज व पंखे का वितरण किया जाएगा। जिसके लिए १५ से २० फरवरी तक सुबह १० बजे से शाम ६ बजे तक आधारकार्ड के साथ श्रीराम ट्रेड सेंटर ग्राउंड फ्लोर,एसवीपी रोड,चामुंडा सर्कल के पास,बोरीवली (वेस्ट), मुंबई -९२ पर रजिस्ट्रेशन करवाना जरुरी है। और 3 मार्च को ही 'मेडिकल व हेल्थ चेकअप कैंप' का आयोजन किया गया है। जहाँ पर जरूरतमंदों व गरीबों को जांच के बाद मुफ्त दवाई व चश्मे वितरित किया जाएगा और आँखों संबंधित ऑपरेशन की सुविधा मुफ्त में उपलब्ध कराई जायेगी।

पुणे-सोलापुर हाइवे पर दुर्घटना, एक की मौत

पुणे। उरूली कंचन (टी. हवेली) ग्राम पंचायत में पुणे सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन वाहनों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। यह घटना शुक्रवार की सुबह करीब पांच बजे हुई। हादसे में मरने वाले व्यक्ति का नाम पता नहीं चल सका है लेकिन हादसे में तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

एक कंटेनर पुणे की ओर जा रहा था। इसी दौरान एलीट चौक और तलवाड़ी चौक के बीच पीछे से आ रहे एक कंटेनर से कंटेनर टकरा गया। इस टक्कर में कंटेनर डिवाइडर से सोलापुर की ओर जाने वाली सड़क पर आ गया। उसी दौरान यह कंटेनर सोलापुर की ओर खड़े एक चार पहिया वाहन में जा टकराया। एक चार पहिया वाहन और एक कंटेनर को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

घटना की जानकारी मिलते ही उरुली कंचन स्थित कस्तूरी प्रतिष्ठान के सदस्यों व ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस मुहैया कराई। घायलों को तत्काल इलाज के लिए उरूली कंचन के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चेक बाउंस नियम में बदलाव: चेक बाउंस से जुड़े नियमों में सरकार करेगी बड़े बदलाव, तुरंत जानिए क्या होंगे नए नियम

नई दिल्ली : आज के समय में बैंक से लेन-देन आम बात हो गई है। ज्यादातर लोग पैसे के भुगतान के लिए चेक बुक की मदद लेते हैं. यह भुगतान के सबसे पुराने तरीकों में से एक है और इसे काफी सुरक्षित भी माना जाता है। बीच-बीच में चेक बाउंस की खबरें भी आपको सुनने को मिल जाती हैं। बढ़ते मामलों को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि सरकार जल्द ही लगाम कस सकती है और इससे जुड़े नियमों में बदलाव कर सकती है.

विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है चेक बाउंस से जुड़े नए नियम लाने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है. इसके लिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई है, जो इससे जुड़े नियम सुझाती है. इसके अलावा वित्त मंत्रालय ने भी कुछ समय पहले नए नियमों को लेकर हाई लेवल मीटिंग की थी.

दूसरे खाते से पैसा कटेगा

यदि खाताधारक के खाते में पर्याप्त पैसा नहीं है और फिर भी वह चेक जारी करता है, तो ऐसी स्थिति में चेक बाउंस की घटना सामने आती है। ऐसे में इसे रोकने के लिए नए नियम लागू किए जा सकते हैं, जिसके तहत अकाउंट में पर्याप्त बैलेंस नहीं होने पर वित्त मंत्रालय खाताधारक के दूसरे बैंक खातों से पैसा काट सकता है. साथ ही सख्त कदम उठाते हुए कानूनी कार्रवाई के रूप में जुर्माना लगाने की भी बात कही है.

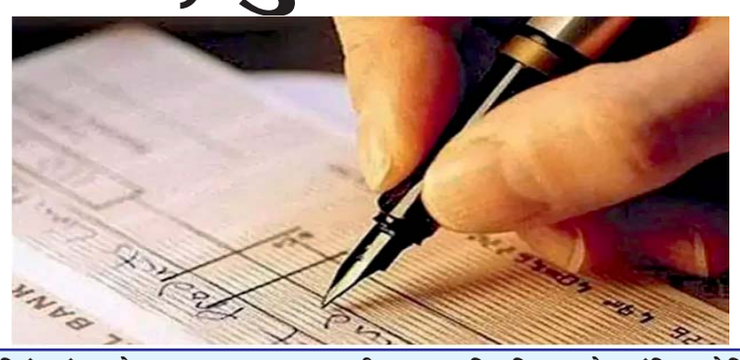

दूसरा खाता नहीं खोल पाएंगे

चेक बाउंस के नए नियम लागू होने के बाद अगर किसी व्यक्ति का चेक बाउंस हो जाता है तो उसके बाद वह कोई और बैंक खाता नहीं खोल पाएगा. सरकार को उम्मीद है कि इस नियम के आने से बाउंस रेट में कमी देखने को मिल सकती है.

कोई कर्ज नहीं ले पाएंगे

नए चेक बाउंस नियमों से लोन लेने में भी दिक्कत हो सकती है क्योंकि चेक बाउंस को लोन डिफॉल्ट के तौर पर दिखाया जा सकता है. ऐसा होने पर डिफॉल्टर का सिबिल स्कोर बिगड़ सकता है और भविष्य में कर्ज मिलने में दिक्कत हो सकती है.

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।